दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
खबरें सड़क से संसद तक
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

वर्ष: 17 | अंक 179 | सीकर, शनिवार 29 अगस्त 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

भारतीय सेना अमेरिकी जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल खरीदेगी

सेकेंड्स में दुश्मन के टैंक तबाह होंगे; दागते ही टारगेट को खुद ढूंढ लेगी

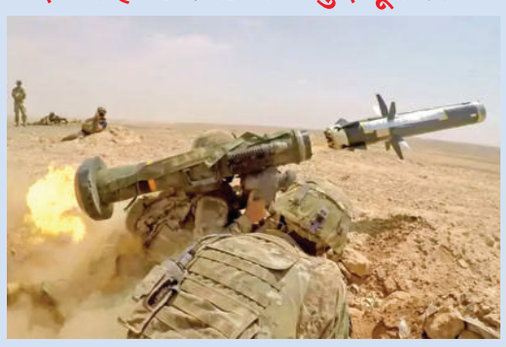

नई दिल्ली

भारतीय सेना अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीद रही है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को बताया कि, इसे खरीदने के लिए भारतीय सेना की ओर से लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस पर साइन कर दिए गए हैं। जैवलिन एक एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम है। इसे सैनिक कंधे से लॉन्च कर सकते हैं और यह बख्तरबंद वाहनों जैसे लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए बनाया गया है। एक बार दागने के बाद मिसाइल खुद ही थर्मल टेंपरेचर से टारगेट को ढूंढ लेती है और उसे हिट करती है। भारत कितने जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीद रहा है और इस सौदे की कुल कीमत कितनी है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

जैवलिन मिसाइल सिस्टम क्या है, कितनी रेंज है?

जेवलिन अमेरिका में बना एक मैन-पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम है। इसकी अधिकतम प्रभावी रेंज करीब 4 किलोमीटर है।

यह कैसे काम करता है?

जेवलिन की सबसे खास तकनीक फायर एंड फॉरगेट है। यानी लॉन्च से पहले सिस्टम लक्ष्य को पहचानकर उस पर लॉक करता है और मिसाइल दागे जाने के बाद उसे ऑपरेटर को लगातार नियंत्रित करने की जरूरत नहीं होती। मिसाइल खुद लक्ष्य तक पहुंचती है। इसमें इन्फ्रारेड सीकर लगा होता है, जिससे यह दिन-रात और अलग-अलग मौसम में लक्ष्य को ट्रैक कर सकती है। जेवलिन टॉप-अटैक मोड में लक्ष्य के ऊपर से हमला कर सकती है, जहां टैंक का कवच आमतौर पर अपेक्षाकृत कमजोर होता है। जरूरत के मुताबिक यह डायरेक्ट-अटैक भी कर सकती है।

ममता बोलीं- बीजेपी ने चुनाव हाईजैक किया

वोट लूटने के लिए एसआईआर का इस्तेमाल, बंगाल में पुलिस के जरिए डर का माहौल बनाया जा रहा

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा ने चुनाव हाईजैक करने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल किया। वोटर लिस्ट से लाखों नाम गैर-कानूनी तरीके से हटाकर वोट लूटने के लिए एसआईआर का इस्तेमाल किया गया। ममता ने आगे कहा- भाजपा बंगाल में बांटने वाली राजनीति कर रही है और डर फैलाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। तृणमूल छात्र परिषद का आज स्थापना दिवस है। ममता सहित पार्टी के सीनियर नेताओं ने कोलकाता में एक इवेंट में छात्रों को संबोधित किया।

ममता की स्पीच, 3 बड़ी बातें; कहा- भाजपा ने पुलिस को राक्षस बना दिया

1. भाजपा सरकार में पुलिस का खराब रवैया: झरखंड के शासन में पुलिस का मानवीय चेहरा था, लेकिन बीजेपी ने पुलिस को राक्षसी संस्था में बदल दिया। ममता ने कहा कि वह अपने समर्थकों के खिलाफ पुलिस की ज्यादती रोकेंगी। उन्होंने कहा कि यह रक्षाबंधन पर उनका संकल्प है।
2. बंगाल में भाजपा की विभाजनकारी नीति: ममता ने बीजेपी पर बंगाल में विभाजनकारी राजनीति करने और पुलिस के जरिए लोगों में डर फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही पूरे राज्य का दौरा शुरू करेंगी और अगर उनकी सभाओं की अनुमति नहीं मिली तो सड़कों पर उतरकर लोगों के बीच जाएंगी। मैं देखूंगी कि उनके पास कितने अंडे और ईंटें जमा हैं।
3. अतिक्रमण को लेकर सरकार पर निशाना: फुटपाथों से हॉकरों को हटाने पर उन्हें आपत्ति नहीं है, लेकिन उनको दूसरी जगह देनी चाहिए। अगर सरकार ऐसा नहीं कर सकती तो उन्हें हर महीने 25 हजार रुपये मुआवजा देना चाहिए।

हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

राष्ट्रपति मुर्मु ने बच्चों संग मनाया रक्षाबंधन, बोलीं- 'राखी का महत्व भाई-बहन के रिश्ते से कहीं बढ़कर'

नई दिल्ली।

पूरे भारत में शुक्रवार को रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में अलग-अलग स्कूलों और संगठनों के बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का महत्व भाई-बहन के रिश्ते से कहीं बढ़कर है।राष्ट्रपति ने बच्चों के साथ विशेष रक्षाबंधन समारोह की झलकियां शेयर कीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, रक्षाबंधन का महत्व भाई-बहन के रिश्ते से कहीं बढ़कर है। राखी का पवित्र धागा परिवार के सदस्यों, दोस्तों और यहां तक कि पेड़ों पर भी बांधा जा सकता है, जो प्यार और देखभाल के बंधन का प्रतीक है।पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बच्चों से पेड़-पौधों की देखभाल करने का भी आग्रह किया। इससे पहले, रक्षाबंधन पर राष्ट्रपति ने देशवासियों के नाम संदेश जारी किया। उन्होंने सभी भारतीयों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा, रक्षा-बंधन की पावन परंपरा, प्राचीन काल से, हमारी उपासना और संस्कृति का अंग रही है। श्रद्धापूर्वक हाथ पर बांधे गए धागे को, रक्षा हेतु पवित्र सूत्र- बंधन, यानी रक्षा-बंधन माना गया है। अनेक श्लोकों और मंत्रों में, 'रक्षे, मा चल, मा चल' इन शब्दों में अनुरोध किया जाता है कि 'हे रक्षा रूपी बंधन, तुम सदैव अचल रहो।

उन्होंने कहा, समय के साथ, रक्षा-बंधन, बहन की रक्षा के लिए भाई के हाथ पर राखी बांधने के भावपूर्ण सामाजिक पर्व के रूप में लोकप्रिय हुआ। यह पर्व भाई-बहनों, मित्रों तथा परिवार और समाज के विभिन्न सदस्यों के बीच आत्मीयता, सम्मान और एक-दूसरे के प्रति उत्तरदायित्व के भाव को सुदृढ़ करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन के हर रिश्ते की नींव विश्वास, संवेदनशीलता और परस्पर सहयोग पर आधारित होती है। उन्होंने आह्वान किया कि रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर हम समाज और देश की रक्षा के लिए संकल्प लें। साथ ही, इसी भावना के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए आगे बढ़ते रहें।

'हाई-फाइव, मुस्कान और ढेर सारा प्यार', पीएम मोदी ने स्कूली बच्चों संग मनाया रक्षाबंधन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग में स्कूली बच्चों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ हंसी-मजाक, हाई-फाइव और बातचीत की। पीएम मोदी ने बच्चों के साथ विशेष रक्षा बंधन समारोह की झलकियां भी शेयर की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे छात्राओं के साथ हाई फाइव करते और हाथ मिलाते हुए नजर आए। उन्होंने लिखा, आज 7, लोक कल्याण मार्ग (प्रधानमंत्री आवास) में रक्षाबंधन समारोह के दौरान हाई-फाइव, मुस्कानें और भी बहुत कुछ। वीडियो में प्रधानमंत्री को बच्चों से बातचीत करते और गर्मजोशी से उनका अभिवादन करते देखा जा सकता है। उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद भी दिया और रक्षाबंधन समारोह के दौरान उनके साथ समय बिताया।

बातचीत के दौरान एक बच्ची ने पीएम मोदी से उनके बचपन के सपने के बारे में पूछा। बच्ची ने पूछा, 'आपका बचपन का सपना'। इस पर पीएम मोदी ने जवाब दिया और कहा, आप लोगों से मिलने का। इसके बाद सभी छात्राएं हंसने लगीं। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सफलता लेकर आए। स्नेह, अपनत्व और आपसी विश्वास की डोर सदैव अटूट बनी रहे, यही कामना है। इस अवसर पर उन्होंने एक 'संस्कृत सुभाषितम्' भी शेयर किया, जिसमें लिखा, एष प्रभावो रक्षाया: कथितस्ते युधिष्ठिर। जयद: सुखदश्चैव पुत्रारोग्यधनप्रद:। 'संस्कृत सुभाषितम्' में कहा गया है, रक्षा सूत्र के प्रभावों का वर्णन करते हुए कहा गया है कि यह जय, सुख, संतति, आरोग्य और ऐश्वर्य प्रदान करने वाला है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी पिछले कुछ वर्षों पर बच्चों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाते आए हैं। पिछले साल बच्चों ने प्रधानमंत्री मोदी को राखी बांधी और उनके साथ राखी का त्योहार मनाया। 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति को उनके निरंतर विश्वास और प्यार के लिए धन्यवाद भी दिया था।

उपराष्ट्रपति ने बच्चों संग तो ओम बिरला ने लाड़ली बहनों संग मनाया त्योहार, नितिन नवीन को महिला कार्यकर्ताओं ने बांधी राखी

पूरे भारत में शुक्रवार को राखी का त्योहार मनाया गया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बच्चों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया, जबकि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अपने संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी में 'लाड़ली' बहनों के साथ रक्षाबंधन मनाया। वहीं, इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने राखी बांधी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में स्कूली बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाया। बच्चों ने उपराष्ट्रपति को राखी बांधी, जो प्यार, भरोसे और सुरक्षा के खूबसूरत बंधन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ संवाद करने से उपराष्ट्रपति भवन में गर्मजोशी और खुशी का माहौल रहा, जिससे यह त्योहार का मौका वाकई खास बन गया। वहीं, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला

ने संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी की 'लाड़ली बहनों' के साथ रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाया। इस अवसर पर बहन वीरांगना मधुबाला ने भी रक्षा-सूत्र बांधा।ओम बिरला ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, कलाई पर बंधी यह राखी केवल स्नेह और विश्वास की डोर नहीं, बल्कि नारी सम्मान, स्वाभिमान और सुरक्षित भविष्य के प्रति संकल्प का पवित्र प्रतीक है। बहनों का स्नेह मेरे लिए आशीर्वाद है और उनके सुख-दुख में सदैव सहभागी बनना मेरा दायित्व। उन्होंने कहा कि हमारी बहनें परिवार की आत्मीय धुरी होने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र निर्माण की सशक्त आधारशिला भी हैं। ईश्वर से कामना है कि मेरी हर बहन का जीवन सम्मान, प्रसन्नता और आत्मनिर्भरता से परिपूर्ण हो तथा उनके सपनों को निरंतर नई ऊंचाइयां मिलें। स्नेह, विश्वास और अटूट अपनत्व के इस पावन पर्व रक्षाबंधन की सभी बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं।

बानिहाल में छात्राओं ने जवानों को बांधी राखी, बोलीं- घर से दूर हैं तो क्या, हम भी आपकी बहनें हैं

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जम्मू-कश्मीर के बानिहाल गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने भारतीय सेना के जवानों की कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। छात्राओं ने बताया कि भारतीय जवान हमेशा हमारी रक्षा के लिए खड़े रहते हैं। ऐसे में उन्हें राखी बांधना हमारे लिए गर्व की बात है। स्कूल की छात्राएं हाथों में राखी और तिलक की थाली लेकर सेना के कैंप पहुंचीं, जहां उन्होंने जवानों को तिलक लगाया और उनकी कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान सेना के जवानों के चेहरे पर भी खुशी और भावुकता साफ नजर आई। घर से दूर ड्यूटी पर तैनात जवानों के लिए यह पल किसी परिवारिक त्योहार से कम नहीं था।एक छात्रा शिल्पा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मुझे अपने आर्मी भाइयों को राखी बांधकर बहुत खुशी महसूस हुई। मैं चाहती थी कि उन्हें लगे कि भले ही उनकी बहनें दूर हैं, लेकिन हम भी उनकी बहनें हैं। उनकी कलाई पर राखी बांधना एक अद्भुत एहसास था।

भारत का बड़ा धमाका, सिंधु नदी पर बनेंगे 36 डैम, हिला पाकिस्तान!

नई दिल्ली।

लद्दाख से ऐसी खबर आई है जो पाकिस्तान के लिए 1.4 बिलियन लीटर के शौक से कम नहीं है।, लद्दाख प्रशासन ने एक मास्टर प्लान तैयार किया है सिंधु नदी के सीने पर एक साथ 36 डैम्स का जाल बिछाने का। वो पानी जो अब तक खैरात में सरहद पार जा रहा था। अब भारत की बंजर जमीन को सोना बनाने वाला है। मात्र 56 करोड़ के बजट में लद्दाख ने वो दांव खेल दिया है जो पाकिस्तान के रणनीतिकारों ने सोचा भी नहीं था।दरअसल लद्दाख के एलजी हैं विनय कुमार सक्सेना जी जिन्होंने प्रपोजल जलशक्ति मंत्रालय को भेज दिया है। उसकी बारीकियां अब आप भी समझ लीजिए। यह कोई साधारण इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट नहीं है। यह लद्दाख की भूगोल और पाकिस्तान की टेंशन बदलने वाला कदम है। अब भारत का एक्शन प्लान क्या है? पहला प्लान है लेह में सात रॉक डैम्स। यह बनेंगे सिंधु यानी कि इंडस रिवर के ऊपर। दूसरा प्लान है कारगिल में 29 आरसीसी डैम्स। यह बनेंगे सुरू नदी पर जो सिंधु की सबसे ताकतवर ट्रिब्यूटरीज में से एक है। अब हैरानी की बात यह है कि भारत के यह पहला रॉक डैम महज 7 दिन में और 10 लाख की लागत में बनकर तैयार हो गया था। अब उसी प्रूफ ऑफ कांसेप्ट को अब स्केल अप किया जा रहा है। 36 डैम्स एक साथ और इसकी गूंज दूर तक जाएगी। अब पाकिस्तान को सबसे बड़ा डर इस बात का है कि भारत अब रन ऑफ द रिवर प्रोजेक्ट से आगे बढ़कर स्टोरेज और डायवर्जन की ओर बढ़ चुका है।

इसका सबसे महत्वपूर्ण पॉइंट है स्ट्रेटेजिक लेवरेज। यह रॉक डैम्स भले ही छोटे दिखे लेकिन जब यह 36 की संख्या में होंगे तो यह लाखों करोड़ों लीटर पानी के फ्लो को कंट्रोल करेंगे। दूसरा पॉइंट है डायवर्जन मास्टर क्लास। हाल ही में भारत ने सिंधु का 90 मिलियन लीटर पानी डाइवर्ट किया था। अब इन 36 डैम्स के जरिए भारत के पास वह स्विच होगा जिससे वह तय करेगा कि लद्दाख की प्यास पहले बुझेगी। तीसरा महत्वपूर्ण पॉइंट है सिंधु पर कब्ज़ा। सिंधु नदी पाकिस्तान की लाइफलाइन है। भारत का उस पर एक भी पत्थर रखना पाकिस्तान की धड़कने बढ़ा देता है। यहां तो पूरे 36 डैम्स की बात हो रही है।

नेपाल-तिब्बत में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

बाढ़ में अब तक 552 की मौत, 1000 से ज्यादा लापता

काठमांडू।

नेपाल और तिब्बत में करीब 3 घंटे बाद राहत और बचाव अभियान फिर शुरू कर दिया गया। भोटेकोशी नदी के ऊपरी हिस्से में बनी झील के फटने के बाद अचानक बाढ़ के खतरे को देखते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया था।

शुक्रवार को झील में पानी बढ़कर करीब 25 लाख क्यूबिक मीटर हो गया था। झील का पानी ओवरफ्लो होकर ल्हेंदे खोला और फिर त्रिशूली नदी में पहुंचा। इसके बाद नेपाल में रेस्क्यू टीमों को सुरक्षित जगह जाने को कहा गया था। बुधवार को ग्लेशियर टूटने से आई भीषण बाढ़ में नेपाल में 547 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत हो चुकी है। दोनों देशों में 1,000 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। बाढ़ से नेपाल में सड़क, पुल, घर और हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को भारी नुकसान हुआ है। राहत-बचाव टीमें प्रभावित इलाकों में लापता लोगों की तलाश कर रही हैं।

तिब्बत-नेपाल सीमा बाढ़ पर शी जिनपिंग ने बैठक बुलाई

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक कर तिब्बत-नेपाल सीमा पर आई भीषण बाढ़ से बने हालात की समीक्षा की। बुधवार को तिब्बत के ग्यिरोंग में अचानक बाढ़ आई थी। बैठक में राहत और बचाव कार्य तेज करने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाने पर चर्चा हुई।

शी जिनपिंग और अन्य नेताओं ने मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन रखा। बैठक में लापता चीनी और विदेशी नागरिकों को खोजने के लिए हर संभव कोशिश करने का फैसला लिया गया।

चोचेन-पुरेपु त्सांगपो संगम पर बनी झील टूटी

तिब्बत में चोचेन नदी और पुरेपु त्सांगपो नदी के संगम के पास बनी एक बड़ी झील टूट गई है। रसुवा के मुख्य जिला अधिकारी नरेंद्र परियार ने बताया कि नेपाली सेना ने उन्हें अभी इस बारे में जानकारी दी है। इससे पहले चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने बताया था कि चोचेन और पुरेपु त्सांगपो नदियों के संगम के पास पानी और मलबा जमा होने से एक बड़ी झील बन गई थी।

पूर्व विधायक बिहारीलाल बिश्नोई का व्हाट्सएप्प अकाउंट हैक, संदिग्ध स्टेटस से मचा हड़कंप

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोखा के पूर्व विधायक बिहारीलाल बिश्नोई का व्हाट्सएप्प अकाउंट साइबर हैकर द्वारा हैक किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है, वहीं साइबर पुलिस मामले की तकनीकी जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार बुधवार देर रात करीब 11:50 बजे अज्ञात साइबर हैकर ने पूर्व विधायक बिहारीलाल बिश्नोई का व्हाट्सएप्प अकाउंट हैक कर लिया। इसके बाद उनके व्हाट्सएप्प स्टेटस पर एक संदिग्ध स्टेटस लगा दिया गया। स्टेटस में कॉपी के पेज पर लिखा हुआ एक नोटिस दिखाई दे रहा था, जिसे लेकर हड़कंप मच गया।

निजी सचिव ने थाने में दी रिपोर्ट

मामले की जानकारी मिलने के बाद पूर्व विधायक के निजी सचिव सुरेश बिश्नोई ने संबंधित थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट में व्हाट्सएप्प अकाउंट हैक किए जाने की जानकारी देते हुए मामले की जांच की मांग की गई है। बताया गया कि बिहारीलाल बिश्नोई सामान्य तौर पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस तरह के संदिग्ध स्टेटस नहीं लगाते हैं। ऐसे में अचानक व्हाट्सएप्प स्टेटस पर इस प्रकार की सामग्री दिखाई देने के बाद हैकिंग की आशंका गहरा गई।

साइबर पुलिस तकनीकी जांच में जुटी

मामले की जांच सीआई गोविंद सिंह के नेतृत्व में की जा रही है। साइबर पुलिस की टीम भी तकनीकी स्तर पर जांच में जुटी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि व्हाट्सएप्प अकाउंट किस तरीके से हैक किया गया और हैकर की ओर से संदिग्ध स्टेटस क्यों लगाया गया। साइबर टीम द्वारा अकाउंट की गतिविधियों और तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है। साथ ही हैकर की पहचान और उसके द्वारा की गई अन्य संभावित गतिविधियों का भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

राजनीतिक व्यक्ति का अकाउंट हैक होने से बढ़ी चिंता

पूर्व विधायक एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जैसे प्रमुख राजनीतिक व्यक्ति के व्हाट्सएप्प अकाउंट के हैक होने की घटना ने सोशल मीडिया और साइबर सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि अकाउंट किस स्तर पर और किस माध्यम से हैक किया गया तथा इसके पीछे हैकर का उद्देश्य क्या था।

सलाखों के उस पार भाइयों की कलाई पर सजी राखी

छलक पड़े बहनों के आंसू, जयपुर सेंट्रल जेल में रक्षाबंधन पर खास मुलाकात

निसं

जयपुर (नवसत्न)। प्रदेशभर में शुक्रवार को भाई.बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन धूमधाम से मनाया गया। जयपुर सेंट्रल जेल में भी इस पर्व का भावुक रंग देखने को मिला। सुबह से ही बड़ी संख्या में बहनें जेल में बंद अपने भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं।

सलाखों के पीछे भाइयों की कलाई पर राखी बांधते समय कई बहनों की आंखें नम हो गईं। किसी ने भाई को मिठाई खिलाई तो किसी ने कुछ पल बात कर अपना मन हल्का किया। जेल प्रशासन ने रक्षाबंधन पर बंदियों और उनके परिजनों की मुलाकात के लिए विशेष व्यवस्था की थी। बहनों को सुरक्षा जांच के बाद जेल के मेन गेट के पास निर्धारित स्थान पर भाइयों से मिलवाया गया। महज दो मिनट की मुलाकात में बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, मिठाई खिलाई और जल्द रिहाई की प्रार्थना की।

तीन स्तरीय सुरक्षा के बाद मिला प्रवेश

जेल अधीक्षक डॉ. अभिषेक शर्मा ने बताया कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह से जुड़ा भावनात्मक पर्व है। बंदियों की बहनें अपने भाइयों को राखी बांध सकें, इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिलाओं को तीन स्तरीय जांच के बाद जेल परिसर में प्रवेश दिया गया। बाहर आरएसी स्टाफ ने सुरक्षा जांच की। इसके बाद अंदर भी दो चरणों में जांच कर महिलाओं को राखी बांधने के लिए भेजा गया। बहनें भाइयों के लिए मिठाई लेकर पहुंचीं, जिसकी भी जांच की गई। जेल परिसर के भीतर निर्धारित मात्रा में एक किलो तक मिठाई ले जाने की अनुमति दी गई।

दो मिनट में बांधा प्रेम का धागा

राखी बांधने वाले बंदियों को पहले ही मेन गेट के पास बुला लिया गया था, ताकि बहनों को ज्यादा इंतजार न करना पड़े। सलाखों के दोनों ओर सुरक्षा के लिए प्रहरी तैनात रहे। निर्धारित दो मिनट की मुलाकात में बहनों ने भाइयों को राखी बांधी और मिठाई खिलाई। भाई-बहनों ने एक-दूसरे का हालचाल पूछा और कुछ पल बातचीत की। समय पूरा होते ही बहनों को लौटना पड़ा। कई बहनें मुस्कुराते हुए जेल पहुंची थीं, लेकिन भाई की कलाई पर राखी बांधकर लौटते समय उनकी आंखों में आंसू थे।

आगे कोई गलती मत करना

कई बहनों ने राखी बांधते समय भाइयों से कहा कि वे पुराने अपराधों को पीछे छोड़कर आगे सही रास्ते पर चलें। बहनों ने जल्द रिहाई की प्रार्थना करते हुए भाइयों से परिवार के साथ सम्मानपूर्वक जीवन बिताने और दोबारा किसी गलत गतिविधि में शामिल नहीं होने का वादा लिया। वहीं, भाइयों ने भी बहनों को भरोसा दिलाया कि वे भविष्य में गलत गतिविधियों से दूर रहकर बेहतर जीवन जीने का प्रयास करेंगे। इस तरह राखी का धागा उनके लिए सिर्फ प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि नई शुरुआत और अपराध से दूर रहने के संकल्प का भी माध्यम बना।

जेल सुधारात्मक संस्था के रूप में काम करती है

जेल अधीक्षक डॉ. अभिषेक शर्मा ने कहा कि जेल की चारदीवारी में रहने वाले बंदियों के साथ मानवीय संवेदनाएं भी जुड़ी हैं। रक्षाबंधन भावनाओं से जुड़ा पर्व है, इसलिए इसे सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई। उन्होंने कहा कि जेल केवल दंड देने की जगह नहीं, बल्कि एक सुधारात्मक संस्था के रूप में भी काम करती है, ताकि यहां से बाहर निकलने के बाद व्यक्ति समाज की मुख्यधारा में लौट सके। अपराध करने वाले व्यक्ति में सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है। वहीं, बंदियों के परिजनों ने कोई अपराध नहीं किया है, इसलिए उनकी भावनाओं का सम्मान करना भी जरूरी है। जेल की ऊंची दीवारों, सलाखों और कड़ी सुरक्षा के बीच रक्षाबंधन का यह आयोजन भाइ-बहन के रिश्ते की भावनाओं से जुड़ा रहा। कुछ पल की मुलाकात में बहनों का स्नेह, आंखों के आंसू और भाइयों से किए गए बेहतर जीवन के वादे इस पर्व को यादगार बना गए।

शहीद धर्मपाल सैनी की प्रतिमा के बहनों ने बांधी राखी

राखी बांधते समय बहने हुई भावुक

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। शेखावाटी की वीर धरा पर रक्षाबंधन का पर्व भावुक कर देने वाले अंदाज में मनाया जा रहा है। क्षेत्र में शहीदों की प्रतिमाओं पर पहुंचकर बहनें अपने शहीद भाइयों की प्रतिमाओं को राखी बांध रही हैं। इस दौरान भाई की याद में बहनों की आंखें नम हो गई। गोठड़ा गांव के शहीद धर्मपाल सैनी की प्रतिमा पर उनकी तीन बहनों चंपा, सुमन और अनीता ने राखी बांधी। राखी बांधते समय तीनों बहनें भावुक हो गई। उन्होंने कहा कि भाई भले ही देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए, लेकिन आज भी हमारे दिल में बसते हैं। भाई की यादों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हर वर्ष रक्षाबंधन के पर्व पर शहीद की प्रतिमा पर पहुंचकर राखी बांधती हैं और उन्हें नमन करती हैं। शहीद धर्मपाल सैनी की बेटी किरण ने बताया कि वह हर त्योहार पर अपने पिता की प्रतिमा पर पहुंचकर उन्हें नमन करती हैं। उन्होंने कहा कि पिता की प्रतिमा के सामने आने पर उनकी यादें ताजा हो जाती हैं और ऐसा लगता है जैसे वह आज भी उनके साथ हैं। इस भावुक अवसर पर समाजसेवी हरिराम गुर्जर सहित उनके परिवार की महिलाएं भी मौजूद रही। शहीद की प्रतिमा पर राखी बांधने का यह दृश्य वहां मौजूद लोगों के लिए भी भावुक कर देने वाला रहा।

रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

निसं

तारानगर (नवसत्न)। क्षेत्र में शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और भाइयों ने बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा करने का वचन दिया। भाइयों की कलाइ राखियों से भरी नजर आई। रक्षाबंधन के पर्व पर कस्बे के मुख्य बाजार व रोडवेज बस स्टैंड पर भी काफी रोनक दिखाई दी। बसों में महिलाओं की काफी भीड़ रही।

आशापूर्ण हनुमान मंदिर में श्रावणी कर्म कार्यक्रम आयोजित

निसं

तारानगर (नवयत्न)। तारानगर कस्बे के आशापूर्ण हनुमान मंदिर मोटाणा जोहड़ में शुक्रवार को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावणी कर्म कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ज्योतिषाचार्य साहित्याचार्य पंडित गोपाल शास्त्री के आचार्यत्व में सभी यज्ञोंपवितधारियों ने हेमाद्री संकल्प, गणस्नान, गोमय स्नान, भस्म स्नान, मृतिका स्नान, देव तर्पण, ऋषि तर्पण, पितृ तर्पण, सप्त ऋषि पूजन व यज्ञ किया। सभी यज्ञोपवीत धारियों ने नूतन यज्ञोपवीत धारण की। यजमान प्रेमसुख ओझा ने सपत्नीक पूजन यज्ञ करवाया। कार्यक्रम में पं. हर्षचंद्र, सूर्य प्रकाश, गौतम शास्त्री, नरेश शर्मा, सुनील गोग्याण, जगदीश स्वामी, सुनील शर्मा, संजय महर्षि, अशोक शर्मा, विनय, गणेश, मंगल शर्मा, किशन शर्मा, पवन गोग्याण, अमित शर्मा, गोपी शर्मा, देव कृष्ण, नंद किशोर व्यास, शशि कांत व्यास, लीलाधर, कुलदीप शर्मा, इंद्र चंद शर्मा, गोविंद शर्मा, दीनदयाल शर्मा, बजरंग शर्मा, घनश्याम शर्मा, श्याम सुंदर शर्मा, सत्यनारायण, महेश, महेंद्र आदि मौजूद रहें।

सड़क हादसे में घायल युवक को ब्याज सहित कुल 15.42 लाख का अवार्ड पारित

निसं

तारानगर (नवयत्न)। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, तारानगर ने सड़क दुर्घटना से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए घायल पीड़ित देवीलाल पुत्र काशीराम, निवासी वार्ड नं 16, तारानगर को कुल 15.42 लाख रूपये दिलाने का आदेश दिया है। एडवोकेट अनिल स्वामी राजपुरा ने बताया कि निर्णय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, तारानगर के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा, आरजेएस ने 20 अगस्त 2026 को सुनाया। प्रकरण के अनुसार 17 नवंबर 2020 को पीड़ित देवीलाल मोटरसाइकिल से तारानगर आ रहे थे। इसी दौरान सड़क पर दुर्घटना होने से उन्हें गंभीर चोटें आईं। मामले में घायल की ओर से मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के समक्ष दावा याचिका प्रस्तुत की गई थी। प्रकरण में यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड तथा वाहन मालिक एवं चालक को पक्षकार बनाया गया था। अधिकरण ने मामले में प्रस्तुत साक्ष्यों एवं दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद पीड़ित की आय, स्थायी अपंगता तथा भविष्य में होने वाली आय की क्षति को ध्यान में रखा। निर्णय में पीड़ित की आय 88,296 रुपए वार्षिक निर्धारित करते हुए उसकी 45 प्रतिशत क्षति को आधार बनाया गया। साथ ही भविष्य की आय में वृद्धि के प्रावधान को जोड़ते हुए प्रतिकर की गणना की गई। अधिकरण ने विभिन्न मदों में गणना करते हुए पीड़ित को कुल ब्याज सहित 15.42 लाख प्रतिकर राशि प्रदान करने का आदेश दिया। इसके अतिरिक्त याचिका प्रस्तुत करने की तारीख 11 नवंबर 2021 से राशि की वसूली तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज भी प्रदान किया गया है। यदि निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं की जाती है तो आगे 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देय होगा। निर्णय में यह भी निर्देश दिया गया कि अवार्ड राशि न्यायालय के निर्देशानुसार बैंक में जमा कराई जाएगी तथा पीड़ित के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए राशि के भुगतान एवं सावधि जमा के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा। प्रार्थी की ओर से मामले में पैरवी अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी राजपुरा ने की।

योगी आसन में श्रावण मास के समापन पर भव्य जागरण आयोजित

निसं

तारानगर (नवयत्न)। कस्बे के देगावास स्थित योगी आसन में श्रावण मास की समाप्ति तिथि पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में तारानगर सहित चूरू जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों से नाथ संप्रदाय के साधु-संत एवं श्रद्धालु पहुंचे। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने भी भजनों की शानदार प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को देर रात तक भक्ति रस में सराबोर किया। जागरण को लेकर योगी आसन परिसर में विशेष तैयारियां की गई। प्रांगण में स्थित भगवान शिव के शिवालय को आकर्षक फूलों से सजाया गया। शाम होते ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। रात्रि में आयोजित जागरण के दौरान भगवान शिव एवं गुरु महिमा से जुड़े भजनों की प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए। योगी आसन के महंत गंगानाथ महाराज ने बताया कि श्रावण मास के समापन के अवसर पर हर वर्ष योगी आसन में जागरण का आयोजन किया जाता है। इसमें आसपास के क्षेत्रों के नाथ संप्रदाय के साधु-संतों के साथ स्थानीय श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। कार्यक्रम में चूरू से पहुंचे बाल संत योगी विद्यानाथ महाराज ने भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी। उन्होंने भोले भंडारी, गुरु की महिमा, जोगण बण जाऊंगी सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। वहीं स्थानीय कलाकारों ने भी एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। जागरण के दौरान भगवान शिव की आराधना और भक्ति गीतों से पूरा योगी आसन परिसर भक्तिमय नजर आया। श्रद्धालुओं ने देर रात तक जागरण में हिस्सा लिया और भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं एवं भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान स्मृतिनाथ महाराज, देवनाथ महाराज, भीमनाथ महाराज सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे नाथ संप्रदाय के साधु-संत एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का कानून बने तो तुरंत बंद हो गौ हत्या : बाबा उमाकांत

जयपुर (नवसत्न)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर आयोजित सत्संग में परम संत बाबा उमाकान्त महाराज ने देश में गौ हत्या बंद कराने की अपील करते हुए कहा कि इसके लिए गौशाला संचालक, साधु-संत, मठाधीश, आश्रमों के महंत, योगी, धार्मिक विद्वान और विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु एकजुट हों। उन्होंने कहा कि जो राजनेता गौ हत्या बंद कराने के पक्ष में हैं वे भी आपस में विचार-विमर्श कर इस दिशा में प्रयास करें। उन्होंने कहा कि यदि सर्वसम्मति से गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का एक लाइन का कानून बना दिया जाए तो गौ हत्या तुरंत बंद हो सकती है। उन्होंने गौ हत्या के खिलाफआंदोलन कर रहे लोगों से कलेक्टर-एसपी को ज्ञापन देने या अलग-अलग आंदोलन करने के बजाय एकजुट होकर केंद्र सरकार के सक्षम स्तर तक अपनी बात पहुंचाने की अपील की। बाबा उमाकांत महाराज ने कहा कि इस अभियान में डंडे, तोड़ फोड़, हड़ताल, लाठीचार्ज या हिंसा का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए। शांतिपूर्ण ढंग से प्रयास करने वालों को उन्होंने अपने और अपने अनुयायियों के समर्थन का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि वे तरीका बता सकते हैं, लेकिन आगे की जिम्मेदारी आंदोलन से जुड़े लोगों को स्वयं निभानी होगी। उन्होंने कहा कि जब देश में गौ हत्या बंद होगी और गाय, बैल तथा सूअर का वध नहीं होगा, तब सतयुग की किरण दिखाई देने लगेगी। उनके अनुसार कलयुग के बीच ही सतयुग आएगा, लेकिन जल्दबाजी में बदलाव लाने से जन-धन की हानि हो सकती है।

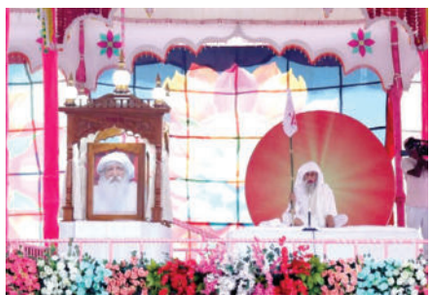

उन्होंने कहा कि समय के साथ ऐसा दौर आएगा, जब शराब और मांसाहार से लोग दूर होंगे, अत्याचार समाप्त होंगे और सदाचार का विधान स्थापित होगा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भविष्य में मांस, अंडे और मछली की दुकानें बंद होने जैसी स्थिति आएगी तथा अत्याचारी लोग या तो सुधरेंगे या समाप्त हो जाएंगे। इसी परिवर्तन को उन्होंने सतयुग के आगमन से जोड़ा। बाबा उमाकांत महाराज ने कहा कि गौ हत्या बंद कराने की इच्छा रखने वाले सभी लोगों को आपसी मतभेद भुलाकर एक मंच पर आना चाहिए और शांतिपूर्ण तरीके से उन लोगों से संपर्क करना चाहिए जिनके पास निर्णय लेने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति सहित सक्षम स्तर पर यदि सामूहिक रूप से मांग रखी जाए तो इस दिशा में कानून बनाया जा सकता है।

पाइप चोरी होने का आरोप

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। पाइप चोरी हो जाने का मामला कोतवाली थाने में दर्ज करवाया गया है। जीआरजी इन्फ्रा कंपनी जयपुर के सुपरवाईजर फरमान खान ने बताया है कि हमारी कंपनी द्वारा सुजानगढ़ क्षेत्र में पाइप लाइन डालने का कार्य किया जा रहा है। कंपनी के कार्य के लिए पाइप लाइन के पाइपों का स्टॉक किया गया था। उक्त स्टॉक को आर. के. एकेडमी स्कूल के पीछे, छापर रोड, वार्ड नंबर 59, सुजानगढ़, याकूब खां के घर के सामने रखा गया था। जिनमें से 180 एमएम के 23 पाइप, 225 एमएम 22 पाइप गायब मिले। इस संबंध में मैंने संबंधित कंपनी के अधिकारियों को अवगत करवाया। कंपनी द्वारा मुझे स्टॉक को पुन: अच्छी तरह चेक करने के लिए कहा गया। इसके बाद दिनांक 23.08.2026 को सुबह जब मैं उक्त स्थान पर पाइपों का स्टॉक चेक करने के लिए पुन: गया, तो वहाँ 180 एमएम के 22 पाइप तथा 225 एमएम के 3 पाइप और गायब मिले। इस प्रकार उक्त पाइपों को किसी अज्ञात व्यक्ति व्यक्तियो द्वारा चोरी कर ले जाना प्रतीत होता है।

दंतेवाड़ा में तैनात कमांडो भाई को बहन ने वीडियो कॉल पर बांधी राखी, बोली- सुरक्षित रहना भाई

मधु दहिया

बुहाना (नवयत्न)। रक्षाबंधन पर जब भाई की कलाई पर राखी बांधने बहन दूर थी तो वीडियो कॉल ही दोनों के बीच प्यार का जरिया बन गया। बुहाना के झांझा निवासी और छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा में आरपीएफ कमांडो के रूप में तैनात राकेश यादव को उनकी बहन ज्योति ने वीडियो कॉल कर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। बहन ने भाई की लंबी उम्र और सुरक्षित रहने की कामना की। परिवार से सैकड़ों किलोमीटर दूर कठिन परिस्थितियों में ड्यूटी निभा रहे राकेश के लिए बहन का यह स्नेह भरा संदेश भावुक कर देने वाला रहा। वीडियो कॉल पर ही बहन ने रक्षाबंधन की रस्म निभाई और भाई को आशीर्वाद दिया।

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT CHHAJA KI NANGAL
P.S. PATAN (SIKAR)

DATE: 27-08-2026

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract of Material Procurement in varies construction works undar VBGRAM-G and Other Scheme For FY 2026-27 are invited from interested bidders till Date 03-08-2026, 12:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in & http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement is RS: 3000000/-

UBN No. PKP2627GLRC00165

PRASHASHAK **VDO**

G.P. CHHAJA KI NANGAL G.P. CHHAJA KI NANGAL

कलाई पर सजी राखी, बहनों ने मांगी भाई की लंबी उम्र

निसं

बुगाला (नवयत्न)। भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि और लंबी उम्र की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर हर परिस्थिति में साथ निभाने का संकल्प लिया। रक्षाबंधन को लेकर सुबह से ही घरों में उत्साह नजर आया।

बाजारों में राखी, मिठाई और उपहार की दुकानों पर दिनभर चहल-पहल रही। दूर रहने वाले भाई-बहन भी पर्व पर एक-दूसरे से मिलने पहुंचे। ग्रामीण क्षेत्रों में भी रक्षाबंधन को लेकर खासा उत्साह रहा। मोबाइल और सोशल मीडिया के दौर में भी भाई-बहन ने पारंपरिक तरीके से राखी बांधकर पर्व मनाया। लोगों ने कहा कि रक्षाबंधन सिर्फ राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और आपसी जिम्मेदारी को मजबूत करने का अवसर है।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधा रक्षासूत्र, नवलगढ़ में धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन का पर्व

निसं

नवलगढ़ (नवयत्न)। कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में शुक्रवार को भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार पारंपरिक श्रद्धा, हर्षोल्लास और उल्लास के साथ मनाया गया। प्रात:काल से ही घरों में उत्सव जैसा माहौल नजर आया, जहां बहनों ने अपने भाइयों की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनकी कलाई पर रक्षासूत्र (राखी) बांधा।

वैदिक रीती-रिवाज से हुआ पूजन

त्योहार को लेकर सुबह से ही बहनों में खासा उत्साह देखा गया। स्नान-ध्यान के पश्चात बहनों ने पूजा की थाली सजाई, जिसमें रोली, अक्षत, मिठाई और रक्षासूत्र शामिल थे। शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों के मस्तक पर तिलक लगाया, आरती उतारी और कलाई पर राखी बांधकर उनका मुंह मीठा कराया। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को जीवनभर रक्षा करने का वचन दिया और उपहार स्वरूप भेंट प्रदान की।

बाजारों में रही चहल-पहल

रक्षाबंधन के अवसर पर नवलगढ़ के मुख्य बाजारों में सुबह से ही काफी रौनक देखने को मिली। मिठाई की दुकानों पर घेवर और अन्य मिठाइयों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। फल और उपहारों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भारी आवाजाही दर्ज की गई।

परदेश से पहुंचे भाई, बिखरी खुशियां

कई दूर-दराज के शहरों और परदेश में रहने वाले भाई भी इस खास दिन अपनी बहनों से राखी बंधवाने के लिए घर पहुंचे, जिससे परिवारों में खुशी दोगुनी हो गई। जिन बहनों के भाई दूर थे, उन्होंने डाक और डिजिटल माध्यमों से अपनी शुभकामनाएं भेजीं। दिनभर पारिवारिक मेल-मिलाप और पकवानों का दौर चलता रहा, जिससे पूरा नवलगढ़ क्षेत्र उत्सव के रंग में डूबा नजर आया।

अजमीढ़ धाम में बनेगी आधुनिक रसोई-भोजनशाला, 30 लाख रुपए खर्च होंगे

निसं

बुगाला (नवयत्न)। अजमीढ़ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आधुनिक सामुदायिक रसोई और भोजनशाला विकसित की जाएगी। इसके निर्माण पर 30 लाख रुपए खर्च होंगे। सांसद एवं झारखंड भाजपा के उपाध्यक्ष डॉ प्रदीप वर्मा ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत राशि की अनुशंसा की है। यह पहल डॉ विनोद कुमार वर्मा के आग्रह पर की गई है। अजमीढ़ स्मृति जनकल्याण संस्थान के अध्यक्ष प्रभुदयाल डांवर व संरक्षक समंदर सिंह कचेरा ने डॉ वर्मा का आभार जताया। कचेरा ने बताया कि प्रस्तावित परियोजना में आधुनिक सामुदायिक रसोई में भोजनशाला विकसित की जाएगी। भोजनशाला में धाम पर आने वाले श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित व व्यवस्थित भोजन की सुविधा मिलेगी। साथ ही जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के सामाजिक कार्यक्रमों में भी इसका उपयोग किया जा सकेगा। संस्था ने इसे सेवा, सामाजिक समरसता और जनसुविधा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

भाजपा-कांग्रेस में आज प्रत्याशियों के नामों का ऐलान सम्भव

टिकट बंटते ही खुलेंगे बगावत के पत्ते, अपने ही देंगे अपनों को चुनौती

सपना शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। नगर परिषद के 60 वार्डों में होने वाले चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस की टिकट की जंग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। दोनों प्रमुख दलों की ओर से संभावित प्रत्याशियों की सूची आज शनिवार को जारी होने की चर्चा है। यदि सूची सामने आती है तो टिकट की होड़ का पहला अध्याय समाप्त होगा और उसके साथ ही बगावत का दूसरा अध्याय शुरू हो जाएगा। टिकट किसे मिला और किसकी कटी- यह तस्वीर साफहोते ही दोनों दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने ही नाराज दावेदारों को संभालने की होगी। टिकट के लिए लंबे समय से दौड़ रहे दावेदारों में से अनेक को निराशा हाथ लगना तय है। ऐसे में अब राजनीतिक दलों का पूरा जोर नाराजगी को बगावत में बदलने से रोकने पर रहेगा।

टिकट कटते ही शुरू होगी मान-मनुहार

टिकट नहीं मिलने वालों को साधने के लिए पार्टी के स्थानीय नेताओं से लेकर वरिष्ठ पदाधिकारी तक सक्रिय होंगे। कहीं व्यक्तिगत मुलाकात होगी, कहीं फोन पर समझाइश और कहीं समर्थकों के जरिए मनाने की कोशिश होगी।

नाराज दावेदारों को भविष्य में संगठन में जिम्मेदारी, आगामी राजनीतिक अवसर अथवा अन्य सम्मान का भरोसा देकर साथ रखने की कोशिश की जा सकती है। लेकिन हर दावेदार मान जाएगा, इसकी गारंटी किसी के पास नहीं होगी। क्योंकि टिकट की दौड़ में कई दावेदारों ने लंबे समय से क्षेत्र में अपनी राजनीतिक जमीन तैयार की है। ऐसे में टिकट नहीं मिलने के बाद उनके सामने भी विकल्प खुले रहेंगे-पार्टी के साथ रहना, निर्दलीय मैदान में उतरना या फिर किसी दूसरे प्रत्याशी को समर्थन देकर अधिकृत प्रत्याशी का खेल बिगाड़ना।

60 वार्डों के अलग-अलग समीकरण

नगर परिषद के 60 वार्डों में राजनीतिक और व्यक्तिगत समीकरण अलग-अलग हैं। कहीं टिकट के दावेदार की अपनी मजबूत पकड़ है तो कहीं उसके समर्थकों का नेटवर्क निर्णायक भूमिका निभा सकता है। कई वार्डों में स्थानीय स्तर के पुराने मतभेद, व्यक्तिगत रिश्ते, परिवारों के समीकरण और पिछले चुनावों की राजनीतिक स्थिति भी टिकट के बाद रंग बदल सकती है। इसलिए यह जरूरी नहीं कि जिस दावेदार को टिकट नहीं मिला, वह हर जगह एक ही तरह से प्रतिक्रिया दे। किसी वार्ड में बागी प्रत्याशी खुलकर मुकाबले में होगा, तो किसी वार्ड में बगावत पर्दे के पीछे रहकर अधिकृत प्रत्याशी के वोट काटने का काम कर सकती है। इसलिए बगावत भी 60 वार्डों में एक जैसी नहीं होगी। कहीं बागी जीत की तलाश में होगा, कहीं बदला लेने की, और कहीं सिर्फ पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी की राह रोकने की रणनीति पर।

कहीं जीत की लड़ाई, कहीं सिर्फ हराने का खेल

इस चुनाव में बगावत का सबसे दिलचस्प पहलू यह हो सकता है कि हर वार्ड में बागियों की रणनीति एक जैसी नहीं होगी। किसी वार्ड में टिकट से नाराज दावेदार खुद मैदान में उतरकर जीत हासिल करने की कोशिश करेगा। वहीं किसी दूसरे वार्ड में नाराज नेता को अपनी जीत की उम्मीद भले कम हो, लेकिन वह पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हराने के लिए पूरा जोर लगा सकता है। यानी कहीं मैं जीतूंगा की रणनीति होगी तो कहीं तुम्हें जीतने नहीं दूंगा की। यही समीकरण दोनों दलों के लिए सबसे बड़ी चिंता बन सकता है।

पार्टी के भीतर भी चलेगा हिसाब-किताब

टिकट वितरण के बाद सिर्फ टिकट कटने वाले ही नाराज नहीं होंगे। कुछ ऐसे दावेदार भी हो सकते हैं जो टिकट किसी दूसरे के खाते में जाने को अपनी राजनीतिक उपेक्षा मानें। ऐसे में उनके समर्थकों की सक्रियता भी चुनावी परिणाम को प्रभावित कर सकती है। पार्टी नेतृत्व के सामने चुनौती सिर्फ बागी को चुनाव मैदान से हटाने की नहीं होगी, बल्कि उसके प्रभाव को भी सीमित करने की होगी। क्योंकि चुनाव में एक नाराज दावेदार के साथ खड़ा छोटा-सा समूह भी किसी वार्ड में जीत को हार में तबदील कर सकता है।

मान गए तो ठीक, नहीं तो बगावत का डांस

टिकट वितरण के बाद अगले कुछ दिन दोनों दलों के लिए बेहद अहम होंगे। पार्टी नेताओं की कोशिश होगी कि नाराज दावेदारों को किसी तरह समझाकर अधिकृत प्रत्याशी के समर्थन में उतारा जाए। लेकिन यदि मान-मनुहार के तमाम हथकंडे नाकाम रहे तो फिर बगावत का डांस खुलकर चुनावी मैदान में दिखाई देगा। कहीं बागी प्रत्याशी पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के सामने ताल ठोकता नजर आएगा, तो कहीं बागी खेमे की रणनीति चुपचाप वोटों का गणित बिगाड़ने की होगी।

अब टिकट नहीं, डैमेज कंट्रोल की बारी

भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए टिकट वितरण के बाद सबसे बड़ा सवाल यही होगा कि कितने नाराज दावेदारों को पार्टी अपने साथ बनाए रख पाती है। क्योंकि चुनाव में मुकाबला केवल भाजपा बनाम कांग्रेस नहीं रहेगा। कुछ वार्डों में मुकाबला पार्टी प्रत्याशी बनाम बागी भी बन सकता है। ऐसे में सूची जारी होने के बाद झुंझुनू की चुनावी राजनीति में सबसे ज्यादा चर्चा जीतने वाले प्रत्याशियों की नहीं, बल्कि किसकी टिकट कटी, कौन नाराज हुआ, कौन मैदान में उतरा और कौन किसका खेल बिगाड़ने निकला-इन सवालों की होगी। अब तक टिकट के लिए दौड़ थी, अब टिकट के बाद रिश्तों, निष्ठा और नाराजगी की परीक्षा होगी।

स्टेट हाईवे-13 पर गहरा गड्ढा बना परेशानी का सबब, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी-नीमकाथाना स्टेट हाईवे-13 पर करमाड़ी-पपुरना के बीच सड़क पर बना गहरा गड्ढा ग्रामीणों और राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। बारिश के बाद गड्ढे में पानी भर जाने से इसकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में दुपहिया वाहन चालकों के साथ अन्य वाहन चालकों के लिए भी हादसे का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार प्रशासन और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निरंजन लाल सैनी ने बताया कि खेतड़ी से नीमकाथाना तक सड़क का निर्माण करीब एक वर्ष पहले करवाया गया था। निर्माण के दौरान मार्ग पर कई जगह काम अधूरा छोड़ दिया गया। करमाड़ी-पपुरना के बीच सड़क पर बना गहरा गड्ढा बारिश के पानी के कारण लगातार बढ़ता जा रहा है। बारिश होने पर इसमें पानी भर जाता है, जिससे वाहन चालकों को गड्ढे की गहराई और स्थिति का पता नहीं चल पाता। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर लगातार पानी जमा रहने से गड्ढा और गहरा होता जा रहा है। रात के समय स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। पर्याप्त रोशनी नहीं होने से वाहन चालक अचानक गड्ढे की चपेट में आ सकते हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी रहती है।

108 एंबुलेंस भी फंस चुकी

ग्रामीणों के अनुसार सड़क के इस गड्ढे में 108 एंबुलेंस भी फंस चुकी है। इससे आपातकालीन सेवाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके अलावा कई दोपहिया और चारपहिया वाहन भी गड्ढे के कारण क्षतिग्रस्त होने की घटनाएं सामने आई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पैदल राहगीरों के लिए भी इस हिस्से से निकलना मुश्किल हो गया है।

अधिकारियों को कई बार दी सूचना

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की खराब स्थिति को लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को कई बार सूचना दी गई। इसके बावजूद मौके पर स्थायी समाधान नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि केवल अस्थायी तौर पर गड्ढा भरने से समस्या का समाधान नहीं होगा। सड़क की मरम्मत कर गड्ढे को पूरी तरह दुरुस्त करने की जरूरत है। ग्रामीणों ने प्रशासन और पीडब्ल्यूडी विभाग से मांग की है कि बड़े हादसे से पहले सड़क की मरम्मत करवाकर गड्ढे को भरा जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने कहा कि किसी हादसे का इंतजार करने के बजाय विभाग को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

लायंस क्लब झुंझुनू जीवन ने किया गौसेवा कार्यक्रम

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। लायंस क्लब झुंझुनू जीवन द्वारा शुक्रवार प्रात: साढ़े 7 बजे बगड़ रोड स्थित नंदीशाला में गौसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मार्केटिंग चेयरपर्सन लायन प्रकाश सोनी के संयोजकत्व एवं आर्थिक सौजन्य से उनकी सुपुत्री दिविजा के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर क्लब सदस्यों ने गौमाता को हरी सब्जियां एवं हरा चारा खिलाकर गौसेवा की। कार्यक्रम के माध्यम से जन्मदिवस को सेवा एवं परोपकार से जोड़ते हुए समाज को मानवता एवं जीव सेवा का संदेश दिया गया। क्लब पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कहा कि लायंस क्लब झुंझुनू जीवन सदैव सेवा कार्यों के माध्यम से समाज एवं जीव-जंतुओं के कल्याण के लिए समर्पित रहेगा। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष एमजेएफ लायन डॉ मुकेश एस मूंड, सचिव एमजेएफ लायन ओमप्रकाश मूंड, मेंबरशिप ग्रोथ चेयरपर्सन लायन रणवीर सिंह गोदारा, लायन प्रकाश सोनी सहित अन्य जन उपस्थित रहे।

ठड्डे वाले बालाजी को चांदी का छत्र चढ़ाया

निसं

मुकुंदगढ़ (नवयत्न)। श्रावण पूर्णिमा के पावन पर्व पर ठड्डे वाले बालाजी मंदिर में जांगिड़ परिवार की ओर से बालाजी महाराज को चांदी का छत्र अर्पित किया गया। पुजारी सुभाष शर्मा ने बताया कि प्रभुदयाल जांगिड़ परिवार ने विधिवत पूजा-अर्चना कर छत्र चढ़ाया। इस दौरान हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में प्रभुदयाल जांगिड़, गोविंद शर्मा, कपिल शर्मा, अरुण गुर्जर, राजाराम सुरोलिया, विश्वनाथ जांगिड़, रमाकांत जांगिड़, प्रकाश जांगिड़, महावीर चेजारा, लूणचंद चेजारा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

11 बालिकाओं के खुलवाए सुकन्या खाते, रक्षाबंधन पर दिया भविष्य संवारने का उपहार

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की ओर से रक्षाबंधन पर्व उत्साह और भाईचारे के साथ मनाया गया। ट्रस्ट कार्यकर्ताओं ने 11 बालिकाओं से राखी बंधवाई और उन्हें उपहार दिए। साथ ही बालिकाओं के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने के लिए 11 सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खुलवाकर दस्तावेज व खाते सौंपे। झुंझुनूं प्रभारी मनोज कुमार गनोलिया ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम के साथ समाज में सहयोग, सम्मान और सुरक्षा की भावना मजबूत करने का पर्व है। बालिकाओं के नाम सुकन्या खाते खुलवाना उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में छोटा लेकिन महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम में सुरेश सीमार, नरोत्तम दुलगच, प्रदीप दुलगच, नारायण पांडे, राजेंद्र कनोड़िया, सीताराम घोटड़ सहित ट्रस्ट के कार्यकर्ता व अन्य लोग मौजूद रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन का पर्व

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। रक्षाबंधन का पर्व क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। घरों के बाहर मांडणे मांडकर सुबह शुभ मुहूर्त में सूण जिमाए गए। वहीं घरों में खीर जलेबी सहित अनेक मीठे पकवान बनाए गए। दिन में बहनों ने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधकर भाईयों की लम्बी उम्र की कामना की और स्वस्थ जीवन के लिए भगवान से प्रार्थना की। वहीं भाईयों ने भी उपहार बहनों को देकर उनकी रक्षा और हर सुख दुख में भागीदारी के वचन दिए। वहीं शहीदों की प्रतिमाओ पर भी उनकी बहनें राखियां बांधने के लिए पहुंची, तो भावुक दृश्य देखने को मिले।

दूसरी ओर बाजारों में मिठाईयों में चीनी की महंगाई का असर देखने को मिला। दिनभर रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रेलगाड़ी, बसों और सार्वजनिक स्थानों पर बहनों की भीड़ रही।

सबसे पुराने कावड़िए अग्रवाल का किया सम्मान

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। बैजनाथ कावड़ संघ की ओर से शुक्रवार को संघ के सबसे पुराने कावड़िए रामावतार अग्रवाल हलवाई, चिड़ावा वाले का अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। इस दौरान कावड़ संघ के सदस्यों ने उन्हें फूलमाला, साफा एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। संघ के रमेश सिंगोदिया ने बताया कि झुंझुनूं जिले से प्रतिवर्ष दो दर्जन से अधिक कावड़ि, बैजनाथ कावड़ संघ के सानिध्य में बाबा धाम पहुंचकर कावड़ चढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि रामावतार अग्रवाल हलवाई लंबे समय से संघ से जुड़े हुए हैं और नियमित रूप से कावड़ यात्रा में शामिल होते रहे हैं। इस अवसर पर सुभाष चंद्र सैनी, श्याम सुंदर यादव, रामावतार यादव, रमेश कुमार, लालचंद कुमावत, कैलाश यादव, बिहारी लाल सैनी, रामप्रसाद सैनी, चिड़ावा से संजय सैनी सहित अन्य कावड़िए उपस्थित रहे।

श्रावणी उपक्रम के तहत ऋषि पूजन व तर्पण कार्यक्रम आयोजित

निसं

मुकुंदगढ़ (नवयत्न)। कुम्भ नाथ दरबार में विप्र मंडल के तत्वावधान में श्रावणी उपक्रम के तहत ऋषि पूजन, देव पूजन, पितृ तर्पण एवं ऋषि तर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम दरबार के महंत डॉ शैलेंद्र नाथ अघोरी के सानिध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशंभर जोशी ने यजमान के रूप में पूजा-अर्चना की।

पंडित मनोज कुमार सुरोलिया के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ से पूजन एवं तर्पण कराया गया। इस अवसर पर विप्र मंडल मुकुंदगढ़ के अध्यक्ष रामस्वरूप बियाला, घनश्याम शर्मा, विशंभर जोशी, महेश शर्मा, शरद जोशी, विशंभर बील, पूर्णमल जोशी, शरद तिवारी, महेंद्र दाधीच, पवन पांडे, पवन शर्मा, रजनीश पांडे, एडवोकेट सुरेश शर्मा, अप्पू, कुलदीप, विकास बियाला, लक्ष्मीकांत, विमल, गंगाविशन पिपलवा, विजय शर्मा, मुकेश सुरोलिया सहित अनेक विप्रजन मौजूद रहे।

सम्पादकीय

सबक सिखाने वाली आपदा

नेपाल में तिब्बत से आई बाढ़ से मची तबाही कितनी व्यापक है, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि लापता होने एवं मरने वालों की संख्या के साथ आधारभूत ढांचे की क्षति का अनुमान लगाना कठिन हो रहा है। इस आपदा में भारत और नेपाल के साथ उन देशों के नागरिकों ने भी जान गंवाई है, जो पर्यटन और तीर्थाटन के लिए नेपाल गए थे और वहां से कैलास मानसरोवर की यात्रा के लिए चीन जाने वाले थे। नेपाल से सटे तिब्बत में हिमालय की ऊंचाई पर ग्लेशियर टूटने से जो बाढ़ आई, उसके कारणों का अध्ययन जारी है, लेकिन यह साफ है कि इसके पीछे कहीं न कहीं धरती का बढ़ता तापमान भी जिम्मेदार है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियर कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं और वे हिमालयी क्षेत्र में बार-बार तबाही ला रहे हैं।

ऐसी प्रत्येक आपदा यह बताती है कि प्रकृति का संरक्षण आवश्यक है। वैसे तो जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए लगातार विश्वस्तरीय सम्मेलन हो रहे हैं और उनमें ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के उपायों पर सहमति भी बन रही है, लेकिन उन पर अमल नहीं हो रहा है। इसका एक बड़ा कारण विकसित देशों का रवैया है। वे अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार नहीं हैं। हालांकि विकसित देश भी जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहे हैं और इसका प्रमाण है पिछले दिनों यूरोप में पड़ी भीषण गर्मी, लेकिन इसके बाद भी ग्लोबल वार्मिंग का सामना करने में गंभीरता का परिचय नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि क्षेत्र विशेष के देश आपस में मिलकर इस समस्या का सामना करने के लिए एकजुट हों। चूंकि हिमालय क्षेत्र ग्लोबल वार्मिंग से कहीं अधिक प्रभावित हो रहा है और यह भूकंप की दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है, इसलिए भारत, चीन, नेपाल और भूटान को एक साथ आकर ऐसे प्रबंध करने चाहिए, जिससे ग्लेशियरों की निगरानी की जा सके और उनके पिघलने-टूटने की स्थिति को लेकर संबंधित देशों को समय पर सूचना दी जा सके। आज ग्लेशियरों की उपग्रह के जरिये निगरानी आसानी से की जा सकती है। हिमालयी क्षेत्र के देशों को यह काम मिलकर करना चाहिए। दुर्भाग्य से इस मामले में सबसे बड़ी बाधा चीन का रवैया है। वह कई बार पड़ोसी देशों को हिमस्खलन अथवा हिमालयी नदियों में बाढ़ के बारे में समय रहते आवश्यक सूचनाएं भी नहीं देता। इसके अलावा वह इस नाजुक क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करने वाले निर्माण कार्य भी कर रहा है। यह निर्माण जोखिम को बढ़ाने वाला है। भारत को इस दिशा में सक्रिय होना चाहिए कि कैसे चीन, नेपाल, भूटान के सहयोग से एक ऐसे साझा तंत्र का निर्माण हो, जो हिमालय की चोटियों में होने वाले बदलाव की निगरानी में सहायक साबित हो सके।

विशेष आलेख

प्रकृति की अनदेखी के दुष्परिणाम

नेपाल की त्रासदी को केवल एक आपदा के रूप में न देखकर एक सामरिक, वैज्ञानिक और मानवीय चुनौती के रूप में देखा जाए। पारंपरिक रूप से हमारा ध्यान केवल आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य तक सीमित रहता है।

नेपाल में आई विनाशकारी आकस्मिक बाढ़ और भूस्खलन ने एक बार फिर पूरे दक्षिण एशिया को झकझोर कर रख दिया है। हिमालय की गोद में बसी यह शांत और सुंदर भूमि जिस तरह प्राकृतिक तबाही का केंद्र बनी है, वह केवल एक भौगोलिक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रकृति के बढ़ते रोष और इंसानी बेपरवाही का एक भयावह प्रतीक है। उफनती नदियां, जलमग्न शहर, ताश के पत्तों की तरह बहते पक्के पुल और मलबे के नीचे दबे गांव के गांव केवल नेपाल की आपदा के दृश्य नहीं हैं, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए एक ऐसी चेतावनी है, जिसे अब और नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित होगा। इस त्रासदी के लिए केवल प्रकृति के मिजाज को जिम्मेदार ठहराना समस्या की गहराई से मुंह मोड़ना होगा। इसके पीछे अनियोजित विकास, पहाड़ों का अविवेकपूर्ण दोहन और जलवायु परिवर्तन जैसे इंसानी कारण बहुत ही गहराई से जुड़े हुए हैं।

पिछले कुछ दशकों में नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों और काठमांडू घाटी में जिस तरह अनियंत्रित और बेतरतीब निर्माण कार्य हुआ है, उसने प्राकृतिक जल निकासी की व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों और बाढ़ के मैदानों में बहुमंजिला इमारतों, सड़कों और व्यावसायिक परिसरों का निर्माण कर लिया गया। जब नदियों के पास बहने के लिए स्वाभाविक जगह ही नहीं बची तो पानी ने आबादी वाले इलाकों का रुख किया। इसके साथ ही सड़कों के संजाल को फैलाने और रन-आफ-द-रिवर जलविद्युत परियोजनाओं को खड़ा करने के नाम पर पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई की गई।

भारी डायनामाइट विस्फोटों ने संवेदनशील ढलानों की आंतरिक दरारों को और चौड़ा कर दिया है, जिससे वे मामूली बारिश में भी खिसकने लगी हैं। ढलानों से जंगलों की कटाई ने मृदा अपरदन की दर को कई गुना बढ़ा दिया है। पेड़ों की जड़ें जो मिट्टी को बांधकर रखती थीं, उनके गायब होने से बारिश का पानी सीधे सतह पर प्रचंड वेग से बहने लगता है। इसके ऊपर वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन का असर अब अत्यंत प्रत्यक्ष और घातक रूप में सामने आ रहा है।

हिंदूकुश हिमालयी क्षेत्र वैश्विक औसत की तुलना में अधिक तेजी से गर्म हो रहा है। तापमान में लगातार वृद्धि के कारण मानसून का चक्र पूरी तरह से अनिश्चित हो चुका है। अब बारिश का फैलाव पूरे मौसम में समान रूप से होने के बजाय कुछ ही दिनों या घंटों की अतिवृष्टि में सिमट गया है। जब अत्यधिक मात्रा में पानी एक साथ गिरता है तो जमीन उसे सोखने में असमर्थ हो जाती है और वह सतह पर प्रचंड बाढ़ का रूप ले लेता है।

इसके साथ ही हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों के तेजी से लगातार पिघलने के कारण नई ग्लेशियल झीलों का निर्माण हो रहा है और पुरानी झीलों का आकार खतरनाक रूप से बढ़ रहा है। भूकंप या अत्यधिक जल-दबाव के कारण लाखों क्यूसेक पानी और मलबा कुछ ही मिनटों में नीचे घाटी की ओर बहता है, जिसकी विनाशकारी क्षमता सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक होती है।

नेपाल की त्रासदी को केवल एक आपदा के रूप में न देखकर एक सामरिक, वैज्ञानिक और मानवीय चुनौती के रूप में देखा जाए। पारंपरिक रूप से हमारा ध्यान केवल आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य तक सीमित रहता है। इस प्रतिक्रियात्मक रवैये को बदलकर आपदा जोखिम न्यूनीकरण की दिशा में काम करना होगा। सबसे पहली आवश्यकता एक प्रभावी, आधुनिक और रियल-टाइम पूर्व-चेतावनी प्रणाली को विकसित करने की है।

यदि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बाढ़ आने से कुछ घंटे पहले भी सटीक सूचना मिल जाए तो जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दूसरा महत्वपूर्ण कदम भारत और नेपाल के बीच जल प्रबंधन को लेकर दशकों पुराने समझौतों और ठप पड़ी वार्ताओं को पुनर्जीवित करना है। कोसी और गंडक परियोजनाओं पर नए सिरे से ध्यान देना होगा। केवल बुनियादी ढांचा खड़ा करना ही काफी नहीं है, बल्कि उस ढांचे का नियमित रखरखाव, नदियों से गाद निकालने की निरंतर प्रक्रिया और जल भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल जरूरी है।

अब पूरे हिमालयी क्षेत्र में विकास की अवधारणा को फिर से परिभाषित करने की सख्त जरूरत है। पहाड़ों में बुनियादी ढांचे का विकास पारिस्थितिकी की कीमत पर नहीं होना चाहिए। सड़कों के निर्माण में भारी विस्फोटकों के बजाय हरित निर्माण तकनीकों का प्रयोग होना चाहिए। नदियों के तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण को सख्ती से रोकते हुए नो-कंस्ट्रक्शन जोन घोषित किया जाना चाहिए। जब तक पहाड़ों की हरियाली और उसकी मिट्टी की पकड़ मजबूत नहीं होगी, तब तक भूस्खलन और मलबे के साथ आने वाली बाढ़ को नहीं रोका जा सकता।

ग्लेशियल झीलों के खतरे से निपटने के लिए आधुनिक उपग्रह निगरानी प्रणालियों का उपयोग कर नियमित मैपिंग की जानी चाहिए और खतरनाक झीलों से साइफनिंग तकनीक द्वारा पानी को नियंत्रित रूप से बाहर निकालकर उनके जलस्तर को सुरक्षित सीमा में रखा जाना चाहिए।

सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देना और उन्हें पूर्व-चेतावनी नेटवर्क से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। जब तक विज्ञान, नीति-निर्माण और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का सही समन्वय नहीं होगा, तब तक हम इस प्राकृतिक और मानवजनित आपदा के भंवर से बाहर नहीं निकल पाएंगे।

आज का राशिफल

मेष

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

वृष

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा।

मिथुन

शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कर्क

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है।

तुला

धनार्जन सुगम होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक

नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है।

धनु

बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुंभ

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

मीन

धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

स्वास्थ्य समाचार

हीट के कारण डैमेज हो गए हैं बाल? इन टिप्स की मदद से करें रिपेयर

बालों की स्टाइलिंग और डिफरेंट लुक के लिए लोग हीटिंग टूल्स का काफी इस्तेमाल करते हैं। हीटिंग टूल्स की मदद से बालों को मनचाहा स्टाइल तो मिल जाता है, लेकिन, इनके ज्यादा इस्तेमाल से बाल डैमेज हो जाते हैं। इससे बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं और कमजोर होकर टूटने लगते हैं। हीट के कारण डैमेज हुए बालों को रिपेयर करना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में बालों को खास देखभाल की जरूरत होती है।

हीट स्टाइलिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल बंद कर दें

बालों में जरूरत से ज्यादा हीट स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बाल डैमेज हो सकते हैं। डैमेज्ड बालों को रिपेयर करने का सबसे आसान तरीका है कि आप कुछ दिनों के लिए हीट स्टाइलिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल बंद कर दें। इससे बालों की खोई हुई नमी धीरे-धीरे वापस आ जाएगी और बालों का टेक्सचर भी सुधरेगा। अगर आपको बालों को स्टाइल करना भी है, तो हीट प्रोटेक्टेंट स्प्रे का इस्तेमाल जरूर करें।

एलोवेरा जेल

बालों के लिए एलोवेरा जेल काफी फायदेमंद होता है। इसमें एंटीबैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो स्कैल्प की ड्राइनेस और खुजली को दूर करने में मदद करते हैं। एलोवेरा जेल लगाने से क्यूटिकल्स को पोषण मिलता है और बाल मॉइश्चराइज होते हैं। एलोवेरा जेल लगाने से हीट के कारण डैमेज हुए बालों को रिपेयर करने में काफी मदद मिलती है। इसके लिए आधा कप ऑलिव ऑयल में 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे अपने स्कैल्प और बालों पर लगाएं और मसाज करें। एक घंटे बाद बालों को पानी से धो लें। इसके इस्तेमाल से आपको कुछ ही दिनों में फर्क नजर आने लगेगा।

गर्म तेल की मालिश

हीट स्टाइलिंग प्रोडक्ट के ज्यादा इस्तेमाल से बालों का नेचुरल ऑयल छिन जाता है। इससे बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं। हीट के कारण डैमेज हुए बालों में गर्म तेल की मालिश करने से उनमें नई जान आ सकती है। हॉट ऑयल मसाज करने से क्यूटिकल्स को पोषण मिलता है और बाल हेल्दी रहते हैं।

शहद और केले का हेयर मास्क

हीट के कारण डैमेज हुए बालों में हेयर मास्क लगाने से उनकी खोई हुई नमी वापस लौट सकती है। हीट डैमेज्ड हेयर में आप शहद और केले का हेयर मास्क लगा सकते हैं।

सुबह धनिया के पत्ते उबालकर पीने से सेहत को मिलेंगे यह बेहतरीन फायदे

धनिया हम सभी के किचन का एक अहम हिस्सा है। सब्जियों, दाल, करी, चटनी, परांठा आदि विभिन्न दैनिक व्यंजन में हम सभी हरा धनिया का प्रयोग करते हैं। धनिये के पत्तों में एक बेहतरीन खुश्बू होती है, जिससे यह न सिर्फ हमारे भोजन को अद्भुत सुगंध प्रदान करता है, बल्कि उनका स्वाद भी बढ़ाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, यह सेहत के लिए भी बहुत लाभकारी होता है?

लिवर को करे डिटॉक्स : लिवर फंक्शन में सुधार और बेहतर बनाने में मदद मिलती है। इसे एक बेहतरीन डिटॉक्स ड्रिंक माना जाता है, क्योंकि यह शरीर में जमा गंदगी, अपशिष्ट पदार्थों, टॉक्सिन्स को हमारे शरीर से बाहर निकालने में मदद करते हैं। यह लिवर को साफ करते हैं और रक्त को भी शुद्ध करते हैं।

त्वचा के लिए लाभकारी है : शरीर और रक्त को डिटॉक्सिफाई कर उबले हुए धनिया की पत्तियों का पानी त्वचा की कई समस्याओं को दूर करता है। यह त्वचा पर मौजूद कील-मुंहासे और उनके जिद्दी निशानों को साफ करने में मदद गार है। यह ब्लैकहेड्स साफ और एजिंग के लक्षणों को कम करने में भी मदद करता है।

डायबिटीज रोगियों के लिए लाभकारी है : हाई ब्लड शुगर को कम करने और रक्त में ब्लड ग्लूकोज को सामान्य रखने में भी धनिया की पत्तियों का पानी पीने से बहुत फायदा मिलता है। हालांकि लो ब्लड ब्लड शुगर वाले लोगों को इसका सेवन करने की सलाह नहीं दी जाती है, क्योंकि उनका ब्लड शुगर लेवल पहले ही काफी कम होता है।

पाचन रखे दुरुस्त : पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने और पेट को स्वस्थ रखने में धनिया उबालकर पीना बहुत फायदेमंद होता है। यह पाचन में सुधार करने और भोजन से पोषक तत्वों के अवशोषण को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह पेट में गैस, ब्लोटिंग, कब्ज, अपच यदि जैसी समस्याओं को ठीक करने और बचाव में भी मदद करता है।

वजन प्रबंधन में मददगार है

सिर्फ पाचन ही नहीं, बल्कि मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में भी धनिया बहुत लाभकारी होता है। नियमित सुबह खाली पेट धनिया की पत्तियों को उबालकर पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। जब आपके मेटाबॉलिज्म ठीक से काम करता है, तो आप दिन भर सामान्य फिजिकल एक्टिविटीज के दौरान भी कैलोरी बर्न करते हैं। यह तेजी कैलोरी और अतिरिक्त चर्बी को बर्न करने में मदद करता है और वजन प्रबंधन में सहायता करता है।

जल्दी वजन घटाने के लिए इन तरीकों से करें सौंफ का सेवन

सौंफ का इस्तेमाल आमतौर पर माउथ फ्रेशनर की तरह होता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होती है। यह हमारे पाचन तंत्र को स्वस्थ रखती है, इसीलिए खाने के बाद सौंफ का सेवन किया जाता है। सौंफ में भरपूर मात्रा में फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स और पोषक तत्व होते हैं, जो हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। सौंफ का सेवन करने से शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है और वजन कम करने में मदद मिलती है। इतना ही नहीं, सौंफ का सेवन करने से बाल और त्वचा को भी लाभ होता है। रोजाना सौंफ का सेवन करने से जल्दी वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

सौंफ की चाय : सौंफ की चाय पीने से भी वजन तेजी से घटता है। यह चाय पीने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। सौंफ की चाय बनाने के लिए एक गिलास पानी में एक चम्मच सौंफ डालकर उबाल लें। फिर से ठंडा करके छान लें। आप चाहे तो इसमें थोड़ा सा गुड़ मिलाकर भी इसका सेवन कर सकते हैं। सौंफ की चाय पीने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और वेट लॉस में भी मदद मिलती है।

सौंफ का पाउडर : आप चाहें तो सौंफ का पाउडर बनाकर भी इसका सेवन कर सकते हैं। इसके लिए सौंफ को अच्छी तरह से पीसकर पाउडर बना लें। रोजाना सुबह और शाम को एक गिलास पानी के साथ एक चम्मच सौंफ के पाउडर का सेवन करें। सौंफ के पाउडर का सेवन करने से कब्ज और गैस की शिकायत दूर होगी और वजन कम करने में भी मदद मिलेगी।

पानी के साथ सौंफ

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो पानी के साथ सौंफ का सेवन करें। इससे पाचन में सुधार होगा और वजन कम करने में भी आसानी होगी। दरअसल, सौंफ में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो मुक्त कणों से लड़ते हैं। यह शरीर में पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाती है और वजन घटाने में मदद करती है। एक मुट्ठी सौंफ लें और उसे एक गिलास पानी में रात भर भिगोकर रख दें। सुबह खाली पेट इस पानी को पी लें। ऐसा करने से आपको वजन घटाने में काफी मदद मिलेगी।

भुनी हुई सौंफ

अगर आपको मीठे की क्रेविंग होती है, तो आप भुनी हुई सौंफ का सेवन कर सकते हैं। इसके लिए सौंफ को हल्की आंच पर भून लें। आप चाहें तो इसमें थोड़ी सी मिश्री भी मिलाकर खा सकते हैं। इसका हल्का सोंधा स्वाद आपको काफी पसंद आएगा। इससे मीठा खाने की क्रेविंग खत्म होगी और वजन कम करने में मदद मिलेगी।

बालकनी में एसी रिपेयर करते समय गिरे मैकेनिक की मौत

निसं

जयपुर (नवसत्न)। चित्रकूट थाना इलाके में 15वीं मंजिल की बालकनी में एसी रिपेयर करते समय संतुलन बिगड़ने से एक मैकेनिक नीचे गिर गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा गांधी पथ-क्वींस रोड स्थित सिंथोनिका बिल्डिंग में हुआ। थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि हादसे में पोलोविक्ट्री स्थित बरकत कॉलोनी निवासी सलमान खान 34 की मौत हुई है। वह परिवार के साथ रहता था और वोल्टास कंपनी के एसी रिपेयरिंग का काम करता था। पुलिस के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 2:30 बजे सलमान सिंथोनिका बिल्डिंग की 15वीं मंजिल स्थित एक फ्लैट में एसी रिपेयरिंग की शिकायत पर पहुंचा था। बालकनी में लगे एसी की मरम्मत के लिए वह करीब डेढ़ फीट चौड़ी दीवार पर चढ़ा हुआ था। बारिश के कारण दीवार पर फिसलन थी। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह 15वीं मंजिल से नीचे फर्स्ट फ्लोर की छत पर जा गिरा। सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल की मॉर्च्युरी भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। सलमान के परिजनों ने कंपनी के इंजीनियर, ठेकेदार सहित अन्य लोगों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि सलमान ने सुरक्षा बेल्ट और रस्सी के बिना 15वीं मंजिल पर एसी रिपेयर करने से मना किया था, लेकिन इसके बावजूद उसे काम के लिए भेजा गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि यदि उसे आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाते तो हादसा टाला जा सकता था। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों के साथ सुरक्षा मानकों के पालन की भी जांच की जा रही है।

पेड़ की कलाई पर बांधी राखी, दिया प्रकृति बचाने का संदेश

मधु दहिया

सिंघाना (नवयत्न)। रक्षाबंधन पर बहनें भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुरक्षा की कामना करती हैं, लेकिन महराणा निवासी ब्रह्म प्रकाश शास्त्री ने इस परंपरा को प्रकृति से जोड़कर अनूठी मिसाल पेश की। उन्होंने पेड़ की टहनी पर राखी बांधी और हरित रक्षाबंधन मनाते हुए पेड़-पौधों की रक्षा का संकल्प लिया। उनकी इस पहल ने रक्षाबंधन के पर्व को पर्यावरण संरक्षण के संदेश से जोड़ दिया। शास्त्री ने कहा कि जिस तरह भाई बहनों की रक्षा का वचन देता है, उसी तरह हमें भी प्रकृति की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं और इनके बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण के बीच हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने लोगों से पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की।

आरोप-प्रत्यारोप का लेटर वायरल, पिछले पार्षद चुनावों में धोखेबाजी का जिक्र

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। सुजानगढ़ में नगर परिषद चुनाव 2026 को लेकर तैयारियां तेज होती जा रही है। नामांकन के दौर शुरू होने के बाद एक पत्र व्हाट्स एप रुप में वायरल होने की खबर है। पत्र में सुजानगढ़ में वर्तमन वार्ड नंबर 51 में विगत चुनाव में कुछ भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस के उम्मीदवार का समर्थन करने और भाजपा के आधिकारिक उम्मीदवार को हराने का आरोप लगाने का दावा किया जा रहा है। पत्र लक्ष्मी नारायण राजपुरोहित के द्वारा लिखा गया है, जो अब वायरल है। इसमें दो लोगों पर पिछले पार्षद चुनाव में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी का समर्थन करने और पार्टी को गलत फीडबैक देखकर योग्य प्रत्याशी का टिकट कटवाने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है। पिछले चुनाव में धन को लेकर भी आरोप प्रत्यारोप लगाए गए हैं। आपको बता दें कि इस भाजपा समर्थित वार्ड में पिछली बार एक कांग्रेस नेता ने जीत हासिल की थी। दूसरी ओर पत्र लिखने वाले लक्ष्मीनारायण राजपुरोहित ने बताया कि मैंने यह पत्र अपने हाथ से लिखा था और टाईप करवाने के लिए गांधी चौक स्थित एक दुकान पर गया था। वहां पर टाईप करने वाले व्यक्ति ने कहा कि पैसे लेन-देने के आरोप के हमारे पास सबूत नहीं है, तो हम लोग ये आरोप लगाकर लेटर नहीं लिख सकते। जिसके कारण यह लेटर मैंने टाईप करवाना कैंसिल कर दिया। राजपुरोहित ने आगे बताया कि मैंने वर्तमान चुनाव में टिकट निर्धारित करने वाले नेताओं के समक्ष अपनी दावेदारी की है और ये बातें मौखिक उनको बताई है।

रक्षाबंधन पर एएनटीएफ का नशे पर बड़ा प्रहार

1.62 करोड़ की एमडी सहित दो इनामी तस्कर गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवसत्न)। रक्षाबंधन के पर्व पर राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एएनटीएफ ने नशे के कारोबार और फरार अपराधियों के खिलाफतीन बड़ी कार्रवाई की। नागौर में जयपुर लाई जा रही 5 किलो 400 ग्राम एमडीए जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 1:62 करोड़ रुपए बताई गई, बरामद की गई। इसके अलावा पुलिस पर फायरिंग के मामले में करीब एक साल से फरार 25 हजार रुपए के इनामी संदीप राज शर्मा को जयपुर से गिरफ्तार किया गया। वहीं करीब 10 माह तक पीछा करने के बाद राजस्थान के एक लाख रुपए के इनामी तस्कर सरगना श्यामसुंदर उर्फ सांवरिया को जोधपुर से दबोच लिया गया। आईजी एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया कि रक्षाबंधन पर भी एएनटीएफ की टीमें ड्यूटी पर रहीं और अलग-अलग अभियानों में सफलता हासिल की।

जयपुर पहुंचने से पहले पकड़ी 1.62 करोड़ की एमडी

एएनटीएफ ने नागौर के जायल थाना क्षेत्र में कार्रवाई कर 5:400 किलो एमडी बरामद की। मौके से टीयूवी-300 कार जब्त कर एक विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया गया। सूचना थी कि एमडी की बड़ी खेप नागौर से जयपुर ले जाकर अलग-अलग पार्टियों और ग्राहकों को सप्लाई की जानी है। टीम ने ग्राम दुगौली में खारी-जोधा जाने वाली सड़क पर देवनारायण बगीची के सामने नाकाबंदी की। संदिग्ध कार की तलाशी में खलासी सीट के नीचे रखे सफेद प्लास्टिक के कट्टे में पांच हरी थैलियों से एमडी बरामद हुई। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि खेप सालासर/मालास, थाना मेडतारोड़ क्षेत्र से ली गई थी और धुडिला गांव के पास एक तस्कर ने इसे बाल अपचारी को सौंपा था। मोबाइल में एक अकाउंटिंग/खाताबुक ऐप पर एसडी एमयूटीएच नाम से करीब 16 लाख रुपए के लेन-देन का हिसाब भी मिला। पुलिस अब सप्लायर और आगे की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। एएनटीएफ के अनुसार गठन के महज 10 माह में टीम 196.76124 किलो एमडी बरामद कर चुकी है।

● ऑपरेशन कलर फोटो : पुलिस पर फायरिंग का आरोपी पकड़ा

दूसरी कार्रवाई में एएनटीएफ ने ऑपरेशन कलर फोटो के तहत करीब एक साल से फरार 25 हजार रुपए के इनामी संदीप राज शर्मा को जयपुर से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार जून 2025 में जयपुर पुलिस टीम वांछित आरोपी की तलाश में नंदन विहार कॉलोनी स्थित किराये के मकान पर पहुंची थी। वहां संदीप शर्मा ने कथित रूप से देशी कट्टे जैसे हथियार से पुलिस पर फायर किया। गोली एक पुलिसकर्मी के हाथ को छूकर निकल गई। इसके बाद आरोपी स्कॉर्पियो से फरार हो गया। मामले में रामनगरिया थाना जयपुर पूर्व में फायरिंग और आर्म्स एक्ट सहित धाराओं में केस दर्ज हुआ था। आरोपी के खिलाफअलग-अलग थानों में 11 आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। फरारी के दौरान उसने छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, जयपुर और दौसा में ठिकाने बदले। एएनटीएफको सूचना मिली थी कि वह एनडीपीएस मामलों में वांछित साथियों के साथ जयपुर में मिलने और नशे की पार्टी करने वाला है। निगरानी के बाद टीम ने संभावित स्थान पर दबिश देकर उसे पकड़ लिया।

● ऑपरेशन वंशीधर 2.0 : 10 माह बाद हाथ आया एक लाख का इनामी

तीसरी कार्रवाई में एएनटीएफने ऑपरेशन वंशीधर 2:0 के तहत राजस्थान के एक लाख रुपए के इनामी वांछित तस्कर सरगना श्यामसुंदर उर्फसांवराराम उर्फ सांवरिया को जोधपुर से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार श्यामसुंदर करीब 15 वर्षों से आपराधिक गतिविधियों और मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय था। उसके खिलाफएनडीपीएस एक्ट, मारपीट, चोरी, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित करीब 15 मामले दर्ज हैं। वर्ष 2024 में जोधपुर रेंज की साइक्लोनर सेल ने उसे पकड़ा था, लेकिन जेल से बाहर आने के बाद वह फिर तस्करी में सक्रिय हो गया। जांच में मणिपुर और मिजोरम से मध्यप्रदेश के रास्ते मारवाड़ तक मादक पदार्थ पहुंचाने वाले नेटवर्क से उसके जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के अनुसार वह सेकेंड हैंड वाहनों का इस्तेमाल कर 30 से 60 किलो तक की खेप राजस्थान लाने का प्रयास करता था। एएनटीएफने करीब 10 माह तक उसका पीछा किया। इस दौरान वह तीन बार टीम को चकमा देकर निकल गया। पहली बार रिश्तेदार की बारात में उसकी मौजूदगी की सूचना पर टीम पहुंची, लेकिन भनक लगते ही वह निकल गया। दूसरी बार सांचौर की इंद्रा कॉलोनी में तस्कर साथियों के ठिकाने पर दबिश के दौरान साथी पकड़े गए, लेकिन वह बच निकला। तीसरी बार मणिपुर से मध्यप्रदेश और बारां होते हुए जोधपुर आने की सूचना पर पीछा किया गया, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। आखिरकार बाड़मेर से जोधपुर आने की सूचना पर धवा और बोरानाड़ा क्षेत्र में निगरानी की गई। संदिग्ध कार दिखाई देने पर टीम ने करीब 20 किलोमीटर तक पीछा किया। आरोपी ने कच्चे रास्ते पर वाहन मोड़कर भागने का प्रयास किया और एएनटीएफवाहन को टक्कर मार दी। इसके बाद कार छोड़कर झाड़ियों की आड़ में पैदल भागने लगाए लेकिन टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया।

● अब खुलेगा अंतरराज्यीय नेटवर्क

श्यामसुंदर से पूछताछ में मणिपुर, मध्यप्रदेश और राजस्थान तक फैले तस्करी नेटवर्क से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। एएनटीएफसप्लायर, परिवहनकर्ताओ, स्थानीय रिसीवरों और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। नागौर की एमडी बरामदगी में भी सप्लाई के स्रोत और आगे जुड़े नेटवर्क तक पहुंचने के प्रयास जारी हैं। रक्षाबंधन पर हुई इन तीन कार्रवाइयों से एएनटीएफने एक ओर जयपुर पहुंचने से पहले करोड़ों रुपए की एमडी की खेप रोक दीए वहीं लंबे समय से फरार इनामी अपराधियों और तस्कर सरगना को गिरफ्तार कर नशे के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया है।

रोहित गोदारा-वीरेंद्र चारण गैंग का 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

आरोपी मिंटू मोडासिया गिरफ्तार

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवसत्न)। राजस्थान व हरियाणा पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण गैंग के 25 हजार रुपए के इनामी अंतरराज्यीय बदमाश बिन्दू उर्फ मिंटू मोडासिया को तीन दिन पहले गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि पुलिस ने मामले का प्रेसवार्ता कर खुलासा आज किया है, जो जन चर्चा बना। आरोपी को पुलिस ने 25 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था, जो पुलिस रिमांड पर चल रहा था। प्रकरण को लेकर जिले के रतनगढ़ थाने के सीआई संदीप कुमार ने आज प्रेस वार्ता कर इस प्रकरण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी पर मकोका सहित विभिन्न राज्यों में हत्या के आधा दर्जन से अधिक मामले है तथा कुल 33 संगीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इस प्रकरण में पुलिस अब तक कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। थानाधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि 14 मई को रेलवे घूमचक्कर के पास रहने वाले व्यवसायी सुनील प्रजापत के घर पर दो नकाबपोश बदमाशों ने वीरेंद्र चारण व रोहित गोदारा के नाम से एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी थी। रुपए न देने पर जान से मारने की नीयत से अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रकरण में 11 लोगों को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि हरियाणा के बहल निवासी बिन्दू उर्फ मिंटू पुत्र कर्णसिंह जाट ने शूटर हरदीप सिंह और रोहित को वारदात के लिए हथियार उपलब्ध करवाए थे। आरोपी उस समय मकोका के तहत मेडिकल आधार पर पैरोल पर बाहर चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को हिसार से डिटेन कर 25 अगस्त को गिरफ्तार किया।

अदालत से रिमांड लेकर उससे गहन पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी ने बताया कि विदेश में बैठे मुख्य सरगनाओं को स्थानीय स्तर पर व्यापारियों के नंबर व पते मुहैया कराने वाले स्थानीय गुर्गों और अन्य चार.पांच संदिग्धों के खिलाफ जांच जारी है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिठाई प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर किए 50 किलो संदिग्ध मिल्क केक-लड्डू नष्ट

जयपुर (नवसत्न)। खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत रक्षाबंधन के दिन शुक्रवार को बगरू और दूदू क्षेत्र में मिठाई प्रतिष्ठानों और निर्माण परिसरों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान करीब 50 किलो संदिग्ध मिल्क केक और लड्डू मौके पर नष्ट करवाए गए, जबकि विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए लिए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि दहमी कलां स्थित जोधपुर मिष्ठान भंडार से जलेबी और बगरू के शिव शक्ति स्वीट होम से पनीर का नमूना लिया गया। वहीं श्री सालासर कोटा कचौरी एंड नमकीन भंडार में निरीक्षण के दौरान करीब 50 किलो मिल्क केक और लड्डू संदिग्ध गुणवत्ता के पाए गए। इन्हें नियमानुसार मौके पर नष्ट करवाकर संबंधित खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए लिए गए। दूदू में अन्नपूर्णा जोधपुर स्वीट्स से मावा, अग्रवाल मिष्ठान भंडार से बेसन बर्फी और जोधपुर मिष्ठान भंडार से मोतीचूर के लड्डू के नमूने लिए गए। खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 और संबंधित नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने बताया कि त्योहारी सीजन में मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए निरीक्षण एवं सैम्पलिंग अभियान जारी रहेगा। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश चंद यादव, अवधेश गुप्ता और मुकेश कुमार शामिल रहे।

राखी के बंधन में बंधा पुलिस-जनता का विश्वास

आयोजित हुआ रक्षा का वचन कार्यक्रम, पुलिस ने बालिकाओं एवं महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवसत्न)। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर पुलिस एवं आमजन के बीच बेहतर समन्वय, विश्वास एवं आत्मीयता स्थापित करने तथा महिलाओं एवं बालिकाओं में पुलिस के प्रति सुरक्षा और विश्वास की भावना को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से राक्षा का वचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा चलाए जा रहे श्रक्षा का वचन अभियान के तहत एवं ओमप्रकाश आई.पी.एस.ए महानिरीक्षक पुलिस, बीकानेर रेंज तथा मुदित कच्छावा, आईपीएसए पुलिस अधीक्षक बीकानेर के मार्गदर्शन में 27 अगस्त को कुरुकुल शिक्षण संस्थान, पांचु के विद्यार्थियों का थाना भ्रमण करवाया गया। इस दौरान बालिकाओं द्वारा पुलिसकर्मियों को राखी बांधी गई। इसी क्रम में 28 अगस्त 2026 को ग्राम पांचु की निवासी बालिकाएं एवं महिलाएं अपने परिजनों के साथ थाने पहुंचीं, जहां श्रक्षा का वचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं एवं महिलाओं ने पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व मनाया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनों, साइबर सुरक्षा तथा पुलिस द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही विभिन्न प्रकार की सहायता एवं सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सोशल मीडिया के सदुपयोग एवं दुरुपयोग तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान पुलिस और आमजन के बीच संवाद को बढ़ावा देते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस सदैव तत्पर है। और किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर वे बिना संकोच पुलिस से संपर्क कर सकती हैं। कार्यक्रम में थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ सहित थाना स्टाफ तथा प्रधानाचार्य मनीष व्यास सहित स्कूल स्टाफ मौजूद रहा। श्रक्षा का वचन कार्यक्रम ने रक्षाबंधन के पर्व को पुलिस और समाज के बीच विश्वास, सुरक्षा एवं आत्मीयता के मजबूत रिश्ते के रूप में नई सार्थकता प्रदान की।

फायरिंग और जानलेवा हमले के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। नोखा पुलिस ने केड़ली गांव में 14 जून की रात हुई फायरिंग एवं जानलेवा हमले के मामले में कार्रवाई करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अजमेर से गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई 12 बोर की बंदूक तथा स्कॉर्पियो वाहन भी बरामद किया गया है। इस मामले में चार आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज चुकी है। पुलिस के अनुसार केड़ली गांव निवासी गुड़ी देवी की रिपोर्ट पर 15 जून को मामला दर्ज किया गया था। रिपोर्ट में बताया गया कि 14 जून की रात गुड़ी देवी के पति बाबूलाल लोयल और उनके परिचित अशोक विश्नोई निवासी अलाय को केड़ली ताल क्षेत्र में बुलाया गया था। वहां आरोपियों ने उनकी कैंपर गाड़ी को टक्कर मारकर रोक लिया तथा जान से मारने की नीयत से उन पर फायरिंग की। फायरिंग की इस घटना में बाबूलाल और अशोक गोली लगने से घायल हो गए थे। घटना के बाद नोखा थाने में जानलेवा हमला एवं आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस जांच में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भीलवाड़ा जिले के कोटड़ी थाना क्षेत्र के खोलपुरा निवासी जितेंद्रसिंह तथा मांडल थाना क्षेत्र के देवरिया मंडल निवासी मेरसिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी जितेंद्रसिंह के खिलाफ पूर्व में भी करीब आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। वहीं इस प्रकरण में बाबूलाल, गणेशाराम ठाका, उमेश धारणिया और मोहनसिंह को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज चुकी है।

पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर फायरिंग की वारदात के पीछे के कारणों, अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका तथा हथियारों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

जयपुर में पहली बार वीएलएनटी सर्जरी से 15 साल बाद मरीज को मिली राहत

जयपुर (नवयत्न)। नागौर निवासी 61 वर्षीय मरीज को 15 साल से पैर में बनी गंभीर सूजन से राहत मिली है। एचसीजी कैंसर हॉस्पिटल जयपुर में चिकित्सकों ने जयपुर में पहली बार वैस्कुलराइज्ड लिम्फ नोड ट्रांसफर (वीएलएनटी) माइक्रोसर्जरी की। सर्जरी के बाद मरीज के प्रभावित पैर की सूजन में करीब 80 फीसदी कमी आई है। करीब तीन घंटे चली सर्जरी में मरीज के दाएं कंधे से स्वस्थ लिम्फ नोड टिश्यू निकालकर प्रभावित पैर की पिंडली में प्रत्यारोपित किया गया। माइक्रोसर्जिकल तकनीक से छोटी रक्त वाहिकाओं को जोड़कर रक्त प्रवाह और लिम्फेटिक ड्रेनेज को बेहतर किया गया। सर्जरी के बाद मरीज को तीसरे दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्शन सर्जरी विशेषज्ञ डॉ सौरभ गर्ग और डॉ मनीष जैन की अगुवाई में सर्जरी हुई। डॉ नरेश सोमानी ने बताया कि वीएलएनटी और एलवीए जैसी आधुनिक तकनीकों से लंबे समय से लिम्फेडेमा से पीड़ित मरीजों की जीवन गुणवत्ता में सुधार संभव है। मरीज ने बताया कि वर्षों से दर्द और सूजन के कारण दैनिक गतिविधियां प्रभावित थी, लेकिन सर्जरी के बाद उसे सामान्य जीवन की उम्मीद जगी है।

यास्तिका भाटिया को मिली बड़ी जिम्मेदारी, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ संभालेंगी कमान

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया-ए के आगामी भारत दौरे के लिए टीम की घोषणा की जिसमें अनुष्का शर्मा तीन मैच की टी-20 सीरीज में भारत-ए की कप्तानी करेंगी जबकि यस्तिका भाटिया वनडे और बहुदिवसीय टीम की अगुआई करेंगी।

सयाली सतघरे टी-20 में उपकप्तान होंगी जबकि अनुष्का वनडे और बहुदिवसीय प्रारूप में उपकप्तान होंगी। दौरा 12 सितंबर से शुरू होगा और इसमें तीन टी-20, तीन वनडे तथा चार दिवसीय एक मैच शामिल है।

ऐसा है शेड्यूल

टी-20 मैच न्यू चंडीगढ़, वनडे मुकाबले मोहाली के पीसीए स्टेडियम और चार दिवसीय मैच धर्मशाला में खेला जाएगा। टी-20 मुकाबले 12, 15 और 17 सितंबर को न्यू चंडीगढ़ में होंगे। वनडे मैच 20, 23 और 25 सितंबर को मोहाली में खेले जाएंगे जबकि चार दिवसीय मुकाबला 29 सितंबर से दो अक्टूबर तक धर्मशाला में होगा।

ऐसी हैं टीमें

टी-20 के लिए भारत ए टीम: अनुष्का शर्मा (कप्तान), सयाली सतघरे, वृंदा दिनेश, सुजाता डे, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, शिप्रा गिरी, श्वेता सहरावत, उमा छेत्री, तनुजा कंवर, मीनू मणि, वैष्णवी शर्मा, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, सिमरन दिल बहादुर।

वनडे टीम: यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, वृंदा दिनेश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, उमा छेत्री, मीनू मणि, अमनदीप कौर, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

बहुदिवसीय टीम: यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, शुभा सतीश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, ममता माडिवाला, सुश्री दिब्यदर्शिनी, शुचि उपाध्याय, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

कोलंबो टेस्ट ड्रॉ क्रिकेट की जीत : गिल

श्रीलंका को फॉलोऑन कराने के फैसले को सही ठहराया; पडिक्कल बोले- हमें जीतना चाहिए था

भारत के कप्तान शुभमन गिल ने कोलंबो टेस्ट ड्रॉ होने पर कहा- 'हमने वह सब कुछ किया, जो हम कर सकते थे। यह शानदार मुकाबला था और मुझे लगता है कि आज टेस्ट क्रिकेट की जीत हुई।' गिल से दूसरे मुकाबले में टीम के कुछ अलग करके जीत हासिल करने को लेकर सवाल पूछा गया था। गुरुवार को श्रीलंका ने फॉलोऑन के बावजूद भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट ड्रॉ करा लिया। भारत ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीत ली है। उसने गॉल में हुआ पहला टेस्ट मैच 165 रन से जीता था।

फॉलोऑन का फैसला उल्टा नहीं पड़ा- गिल

गिल ने कहा- 'फॉलोऑन का फैसला उल्टा नहीं पड़ा, मौसम को ध्यान में रखते हुए यह हमारा सबसे अच्छा निर्णय था।' भारतीय कप्तान ने सीरीज पर कहा- रिजल्ट के लिहाज से 3 मैच अच्छे होते। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने पर उन्होंने कहा- यह प्रतिशत अंकों पर निर्भर करता है।

भारतीय कप्तान ने मोहम्मद सिराज की चोट पर कहा- 'वे चोटिल नहीं थे। वह कुछ महीनों के बाद खेल रहे थे, वापस आने में समय लगता है।' गिल ने भारतीय स्पिनर मानव सुथार का सपोर्ट किया। उन्होंने कहा, 'वे जिस तरह से गेंद को रिलीज करते हैं, मुझे लगता है कि आने वाले वर्षों में वे हमारे लिए अहम साबित होंगे।'

पडिक्कल बोले- टीम का जीतना सबसे जरूरी

मैच के बाद प्लेयर ऑफ द सीरीज देवदत्त पडिक्कल ने कहा- 'अगर हम यह मैच जीतते तो बेहतर होता। ईमानदारी से कहूं तो परिस्थितियां काफी समान थीं। यहां भी पिच धीमी थी।'

पडिक्कल ने कहा, 'मैं रन बनाकर खुश हूं। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वे रन मैंने किस नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए बनाए।'

उन्होंने कहा- सबसे जरूरी है कि टीम जीते। यह युवा टीम है और अभी काफी काम करना है। सभी खिलाड़ी काफी उत्साहित हैं। मुझे भरोसा है कि हम लगातार सुधार करते रहेंगे।'

सोनल ने कोच, परिवार और बैटर्स को श्रेय दिया

प्लेयर ऑफ द मैच सोनल दिनूषा ने मैच की दोनों पारियों में शतक लगाए। उन्होंने कहा- 'मैंने परिस्थिति के हिसाब से अपना बेस्ट प्रदर्शन करने की कोशिश की। भारत के खिलाफ रन बनाना खुशी की बात है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे उन लोगों का जिक्र करना चाहिए, जिन्होंने रन बनाने में मेरी मदद की। मैं कोचिंग स्टाफ और अपने परिवार का नाम लेना चाहता हूं। मैं निचले क्रम के बल्लेबाजों का भी जिक्र करना चाहूंगा। उन्होंने रन बनाने में मेरी मदद की।'

धनंजय ने कहा- गॉल में मुझे ज्यादा देर खेलना चाहिए था

श्रीलंका के कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताने के लिए सिलेक्टर्स और कोच को श्रेय दिया। उन्होंने कहा- 'यह टैलेंट सर्च की बात है। मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं और कोच ने मुझे यह मौका दिया।' हालांकि, धनंजय ने माना कि उन्हें खुद ज्यादा योगदान देना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'शायद गॉल में दूसरी पारी के दौरान मुझे ज्यादा देर तक बल्लेबाजी करनी चाहिए थी।'

सिर्फ स्पिनरों के लिए पिच...,

भारत को निराश करने के बाद श्रीलंकाई कोच गैरी कर्स्टन ने कही गंभीर को चुभने वाली बात!

भारतीय क्रिकेट टीम कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में जीत के करीब थी, लेकिन श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने अंगद की तरह पैर जमाए और भारत से जीत छीन ली। ये मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस सीरीज के खत्म होने के बाद श्रीलंकाई कोच गैरी कर्स्टन ने ऐसा बयान दिया है जो गौतम गंभीर को चुभ सकता है। श्रीलंका में भारत की तरह ही स्पिनरों को बोलबाला माना जाता है, लेकिन इस सीरीज में तेज गेंदबाजों ने भी शानदार खेल दिखाया। दो टेस्ट मैचों की सीरीज में कुल 67 विकेट गिरे जिसमें से 24 विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए। आशिता फर्नांडो श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। वह इस सीरीज के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज भी रहे। उन्होंने 10 विकेट लिए। कर्स्टन ने कहा कि उनकी कोशिश सिर्फ ऐसी विकेट तैयार करने की नहीं होती है जहां सिर्फ स्पिनर ही कमाल करें क्योंकि इस तरह से आप एक क्रिकेट टीम नहीं बना सकते।

कर्स्टन ने दिया बड़ा बयान

देखा जाए तो मौजूदा दौर में टेस्ट मैच पांचवें दिन जाए ये बहुत ही कम देखने को मिलता है। हालांकि, इस सीरीज के दोनों मैच पांचवें दिन गए। कर्स्टन ने कहा कि वह सिर्फ स्पिनरों की मददगार पिच ही बनाना नहीं चाहते बल्कि ऐसी पिच भी चाहते हैं जहां उनके तेज गेंदबाज भी कमाल कर सकें।

कर्स्टन ने कहा, मैं इस बात का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं कि ये बात सुनिश्चित करूं कि हम सिर्फ स्पिनरों के लिए ही विकेट न बनाएं। हम ऐसी पिचें तैयार करना चाहते हैं जहां हमारे तेज गेंदबाज भी हमें मैच जिता सकें। इसी तरह आप एक क्रिकेट टीम बनाते हैं- जो हर स्थिति में खेल सके। इस टेस्ट सीरीज में जो दो विकेट तैयार की गई थीं उनसे मैं काफी प्रभावित हूं।

विमेंस एशिया कप का 10वां एडिशन शुरू

8 टीमें ले रही है भाग, भारत-पाकिस्तान मुकाबला 5 सितंबर को

एशिया कप वनडे से टी-20 तक का सफर

साल	फॉर्मेट	विजेता
2004	वनडे	भारत
2005	वनडे	भारत
2006	वनडे	भारत
2008	वनडे	भारत
2012	टी-20	भारत
2016	टी-20	भारत
2018	टी-20	बांग्लादेश
2022	टी-20	भारत
2024	टी-20	श्रीलंका

विमेंस क्रिकेट एशिया कप का 10वां एडिशन से दुबई में शुरू हो गया है। इस बार 8 टीमों के बीच 12 मैच खेले जाएंगे। श्रीलंका डिफेंडिंग चैंपियन है, जबकि भारत 7 खिताब के साथ सबसे सफल टीम है। टूर्नामेंट का पहला एडिशन 2004 में वनडे फॉर्मेट में खेला गया था। शुरुआती चार एडिशन 50 ओवर के फॉर्मेट में हुए। 2012 से इसे टी-20 फॉर्मेट में बदल दिया गया। इस बार का सबसे बड़ा मुकाबला भारत-पाकिस्तान के बीच 5 सितंबर को होगा।

शुरुआत कब और कैसे हुई

पहली बार 2004 में भारत और श्रीलंका ने ही एशिया कप खेला था। दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज हुई और भारत ने सभी पांच मैच जीतकर टाइटल अपने नाम किया। इसके बाद 2005-06, 2006 और 2008 में भी टूर्नामेंट ओडीआई फॉर्मेट में खेला गया। 2012 में पहली बार विमेंस एशिया कप 20-20 ओवर का खेला गया। इसके बाद से सभी एडीशन इसी फॉर्मेट में खेले जा रहे हैं।

इस बार का फॉर्मेट क्या है?

2026 में 8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। दोनों ग्रुप में 4-4 टीमें हैं। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी तीन टीमों से एक-एक मैच खेलेगी। टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल जीतने वाली टीम 13 सितंबर को फाइनल खेलेगी।

भारत के मैच कब-कब होंगे?

भारत ग्रुप-ए में है। टीम इस स्टेज में तीन मुकाबले खेलेगी। पहला मैच थाईलैंड, दूसरा मैच हॉन्गकॉन्ग, चीन और तीसरा पाकिस्तान से होगा।

भारत की टीम कैसी है?

2026 एशिया कप में भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं। स्मृति मंधाना उपकप्तान हैं।

भारत का स्क्वॉड- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, जी. कमालिनी, अरुंधति रेड्डी, प्रेमा रावत, राधा यादव, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़ और प्रतिका रावल।

पहली बार क्या हो रहा?

इंडोनेशिया पहली बार हिस्सा ले रहा है। इसके अलावा टूर्नामेंट के सभी मुकाबले दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

किस टीम ने कितने खिताब जीते?

भारत ने 7 खिताब जीते हैं। वनडे में 4 और टी-20 में 3 बार। बांग्लादेश और श्रीलंका ने एक-एक बार ट्रॉफी अपने नाम की है। श्रीलंका डिफेंडिंग चैंपियन है।

वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 टीम से बाहर : ऑस्ट्रेलिया सीरीज नहीं खेलेंगे

बीसीसीआई के वन-वर्ल्ड कप नियम का असर

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारत की 15 सदस्यीय अंडर-19 टीम घोषित की है। इसमें पूर्व भारतीय दिग्गज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को जगह मिली है।

हालांकि, बीसीसीआई के नियम के नियम की वजह से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी टीम में शामिल नहीं हैं। वैभव अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में सीनियर टीम के लिए डेब्यू भी कर चुके हैं।

बीसीसीआई का अंडर-19 वर्ल्ड कप नियम

बीसीसीआई ने 2016 में खिलाड़ियों के लिए एक नियम बनाया था। इसके मुताबिक, पात्र होने के बावजूद कोई खिलाड़ी एक से ज्यादा अंडर-19 वर्ल्ड कप नहीं खेल सकता है।

इसी नियम के कारण वॉशिंगटन सुंदर 2018 का अंडर-19 वर्ल्ड कप नहीं खेल सके थे। उनसे पहले सरफराज खान, संदीप शर्मा, विजय जोल और अन्य खिलाड़ी टूर्नामेंट के कई एडिशन में हिस्सा ले चुके थे।

वैभव 2026 का अंडर-19 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं। इसलिए वे किसी और एडिशन में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी वजह से उन्हें अंडर-19 टीम की योजनाओं में शामिल नहीं किया गया।

राजकोट में 18 सितंबर से शुरू होगी सीरीज

जूनियर मेंस सिलेक्शन कमेटी ने घरेलू सीरीज के लिए टीमों का ऐलान किया है। इसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ राजकोट में 50 ओवर के तीन मैच खेले जाएंगे। ये मुकाबले 18, 21 और 23 सितंबर को होंगे।

इसके बाद दो रेड-बॉल मल्टी-डे मैच खेले जाएंगे। पहला मैच 27 से 30 सितंबर तक राजकोट में होगा। दूसरा मुकाबला 5 से 8 अक्टूबर तक अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बी ग्राउंड पर खेला जाएगा।

आर्यवीर और अन्वय को सिर्फ 50 ओवर की टीम में जगह

50 ओवर की टीम की कप्तानी उत्तराखंड के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी करेंगे। मध्य प्रदेश के बल्लेबाज यशवर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। रेड-बॉल मैच में चौहान कप्तानी संभालेंगे, जबकि रायचंदानी उपकप्तान की भूमिका में रहेंगे। लेग-स्पिन ऑलराउंडर आर्यवीर और विकेटकीपर-बल्लेबाज अन्वय को 15 सदस्यीय वनडे टीम में शामिल किया गया है। दोनों को मल्टी-डे फॉर्मेट के मैचों के लिए चुनी गई टीम में जगह नहीं मिली।

भारत की -19 वनडे टीम

लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उप कप्तान), रजत बघेल, आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़, वी यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उल्वा, चिगुरुपति वेंकट और काव्य पटेल।

मल्टी-डे टीम में आर्यवीर-अन्वय नहीं

दो मल्टी-डे मैचों के लिए भारत टीम: यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा, अभिप्राय बिस्वास, रोहित यादव, ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उल्वा और आर्यन यादव शामिल हैं।

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय

कारूआना को 15-13 से हराया, 1.91 करोड़ की प्राइज मनी मिली

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वे त्रष्टञ्ज का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। सेंट लुइस में खेले गए फाइनल में प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को 15-13 से हराया। इस जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने 2 लाख डॉलर (लगभग 1.91 करोड़) की प्राइज मनी अपने नाम की।

6 पॉइंट पीछे रहने के बाद प्रज्ञानानंदा ने की वापसी

फाइनल मुकाबले के आखिरी दिन की शुरुआत में प्रज्ञानानंदा कारूआना से 6 पॉइंट पीछे चल रहे थे। हालांकि, उन्होंने दिन की शुरुआत में ही दोनों रैपिड गेम्स जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की और स्कोर में बढ़त हासिल कर ली।

इसके बाद हुए ब्लिट्ज मैचों में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन बराबरी का रहा, जिससे प्रज्ञानानंदा ने 2 पॉइंट की बढ़त बनाए रखी और 15-13 के अंतिम स्कोर के साथ पहली बार ग्रैंड चेस टूर का खिताब अपने नाम किया।

तीसरे नंबर के मैच में वेस्ली सो की जीत

तीसरे स्थान के लिए खेले गए मैच में अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को 18-12 के अंतर से हराया।

रैपिड सेक्शन में दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का मुकाबला रहा, लेकिन वेस्ली सो ने लगातार चारों ब्लिट्ज गेम्स जीतकर एक मैच शेष रहते ही जीत तय कर ली।

2027 ग्रैंड चेस टूर के लिए टॉप 3 खिलाड़ी क्वालिफाई

इस टूर्नामेंट के फाइनल नतीजों के साथ ही अगले सीजन यानी 2027 ग्रैंड चेस टूर के लिए टॉप 3 खिलाड़ियों ने डायरेक्ट क्वालिफाई कर लिया है। इन 3 खिलाड़ियों में चैंपियन प्रज्ञानानंदा, रनर-अप फैबियानो कारूआना और तीसरे स्थान पर रहने वाले वेस्ली सो शामिल हैं। टूर्नामेंट सिंगल-एलिमिनेशन नॉकआउट फॉर्मेट में खेला गया, जिसमें चार खिलाड़ियों फैबियानो कारूआना, वेस्ली सो, विंसेंट कीमर और प्रज्ञानानंदा ने हिस्सा लिया।

2015 में हुई थी शुरुआत

ग्रैंड चेस टूर दुनिया के बड़े शतरंज टूर्नामेंट की एक सीरीज है। इसकी शुरुआत 2015 में हुई थी। इसमें सालभर अलग-अलग शहरों में क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज फॉर्मेट में मुकाबले खेले जाते हैं। खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर पॉइंट्स मिलते हैं और सीजन के अंत में इन्हीं पॉइंट्स के आधार पर ग्रैंड चेस टूर फाइनल के लिए खिलाड़ियों का चयन होता है।

रोडवेज बस में मचा बवाल, दो महिला यात्रियों के आभूषण व नकदी चोरी

निसं

चूरू (नवसत्न)। जयपुर से चलकर हनुमानगढ़ जाने वाली रोडवेज बस में उस वक़्त बवाल मच गया जब सीकर से सवार हुई दो महिलाओं के आभूषण व नकदी की चोरी हो गई। घटना का पता चलने पर बवाल मच गया तथा रतनगढ़ क्षेत्र के टीडियासर टोल से पहले बस को रोककर पुलिस को सूचना दीए जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी ली। समाचार लिखे जाने तक प्रकरण में किसी भी प्रकार का मामला दर्ज नहीं हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार सीकर निवासी सुमन कंवर अपने पीहर रतनगढ़ तहसील के गांव छाबढ़ी खारी एवं मेमा कंवर अपने बेटे दीपेंद्रसिंह के साथ गांव लधासर स्थित अपने पीहर उक्त बस में सवार होकर आ रही थी। बस में दोनों ही महिलाओं के पास रखे बैग से अज्ञात व्यक्ति ने सोने के आभूषण व नकदी की चोरी कर ली। सुमन कंवर ने बताया कि वह रक्षाबंधन के अवसर पर अपने पीहर आ रही थी। जैसे ही वह बस में चढ़ी, तो अज्ञात ने उसके पर्स से मंगलसूत्र व पांच हजार रुपए नकदी की चोरी कर ली। घटना का पता चलने पर उसने चालक सीताराम व परिचालक सरिता को सूचना दीए लेकिन उक्त लोगों ने बस को नहीं रोकाए जिस पर उसने गांव छाबढ़ी खारी स्थित अपने पीहर पक्ष को सूचना दी। पीहर पक्ष की सूचना पर रतनगढ़ पुलिस भी मौके पर पहुंची तथा टीडियासर टोल के पास बस को रूकवाकर तलाशी ली। इसी दौरान बस में सवार मैमा कंवर ने भी आरोप लगाया कि उसके बैग में रखी रखड़ी, शिश फूल व चांदी का लॉकेट नदारद है। पुलिस ने करीब आधे घंटे तक बस को रोककर बस में सवार यात्रियों एवं चालक व परिचालक से पूछताछ कीए लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं लगा। इस दौरान सुमन कंवर की तबियत भी खराब हो गई। वहीं बस चालक का कहना है। कि शिकायत करने पर उसने बस को रोका थाए लेकिन पुलिस नहीं आने के कारण एवं यात्रियों को देरी होने के चलते वह वहां से गंतव्य के लिए रवाना हो गया था।

रीको संघ के अध्यक्ष पांचवीं बार निर्विरोध चुने गए धन्नाराम सुथार

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवसत्न)। रतनगढ़ रीको औद्योगिक संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक वरिष्ठ सदस्यों सीताराम दाधीच, चतुर्भुज गोस्वामी, झूमरमल सुरेका, राधाकृष्ण माली तथा सीताराम जांगिड़ की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में रीको औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं, क्षेत्र के विकास तथा संघ के चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। चुनाव पर निर्णय लेते हुए उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से समाजसेवी व उद्योगपति धनाराम सुथार को लगातार पांचवीं बार निर्विरोध अध्यक्ष चुना। संघ के वरिष्ठ सदस्य चतुर्भुज गोस्वामी ने बताया कि सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया है । जिसमें उपाध्यक्ष पद पर सुरेन्द्र प्रजापत, सचिव पद पर राहुल यादव, सह-सचिव पद पर मनोज कुमार माकड़ तथा कोषाध्यक्ष पद पर रमेशकुमार चोटिया को निर्विरोध चुना गया है। सोशल मीडिया पर संघ के राजेश मंडा को मनोनीत किया गया है। निर्विरोध निर्वाचन पर संगठन से जुड़े सभी उद्योगपतियों एवं सदस्यों ने संतोष व्यक्त किया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर बधाई दी तथा मिलजुल कर औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर शिवनारायण सैनी, लीलाधर सराफ, चतुर्भुज सैनी, गोपालराम सुथार, देवकिशन सुथार, हीरालाल जांगिड़, धनराज जागिड, धर्मचंद जांगिड़, राजकुमार सैनी, दिनेश प्रजापत, बाबूलाल प्रजापत, श्रीभगवान सुथार, गंगाधर थालोड़, किशनसिंह, हड़मान सुथार, श्रीकांत माटोलिया, नरेंद्र बैद एमुकुल, विश्वास मांकड़, सीताराम सुथार, बंटी जांगिड़ सहित संघ के बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। बैठक का मंच संचालन चतुर्भुज गोस्वामी ने किया।

नोखा में निकाय चुनाव का रण तैयार, कांग्रेस गायब, भाजपा और विकास मंच आमने-सामने

- ओबीसी अध्यक्ष पद ने गरमाई सियासत
- भाजपा में टिकट के लिए चेहरों की कतार
- विकास मंच ने वार्डों में बिछाई चुनावी बिसात
- आरएलपी-निर्दलीय भी तैयार

श्रीराम तिवाड़ी

नोखा (नवयत्न)। नगरपालिका चुनाव की रणभेरी बजने से पहले ही नोखा की राजनीति में घमासान शुरू हो गया है। इस बार सबसे बड़ा सियासी सवाल पालिकाध्यक्ष की कुर्सी को लेकर है। अध्यक्ष पद ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित होने की स्थिति में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। भाजपा में जहां ओबीसी चेहरों ने अपनी दावेदारी को लेकर सक्रियता बढ़ा दी है, वहीं स्थानीय विकास मंच ने भी वार्डवार चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। लेकिन इस पूरे चुनावी माहौल में सबसे ज्यादा चर्चा अगर किसी की है तो वह है कांग्रेस की खामोशी। जहां भाजपा और विकास मंच में बैठकों, संपर्कों और टिकट की दावेदारी को लेकर हलचल तेज हो चुकी है, वहीं कांग्रेस कार्यालय में फिलहाल चुनावी गतिविधियां नजर नहीं आ रही हैं। ऐसे में नोखा निकाय चुनाव का मुख्य मुकाबला फिलहाल भाजपा बनाम विकास मंच की ओर जाता दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस की खामोशी ने खड़े किए सवाल

नोखा विधानसभा क्षेत्र की वर्तमान विधायक सुशीला रामेश्वर डूडी कांग्रेस से हैं, लेकिन नगरपालिका चुनाव को लेकर कांग्रेस संगठन की सक्रियता फिलहाल दिखाई नहीं दे रही। कांग्रेस कार्यालय में न तो संभावित प्रत्याशियों की भीड़ नजर आ रही है और न ही वार्डवार चुनावी बैठकों की कोई बड़ी हलचल सामने आई है। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के नोखा निकाय चुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारने को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि पार्टी की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। यदि कांग्रेस चुनाव मैदान से दूरी बनाती है तो यह नोखा की स्थानीय राजनीति के लिए बड़ा घटनाक्रम होगा। खासकर इसलिए क्योंकि कांग्रेस लंबे समय से नोखा की राजनीति का प्रमुख हिस्सा रही है। पिछले कुछ निकाय चुनावों में पार्टी की कमजोर मौजूदगी के बाद इस बार कांग्रेस की कथित निष्क्रियता ने स्थानीय राजनीतिक चर्चाओं को और हवा दे दी है।

भाजपा में अध्यक्ष पद के लिए मची होड़

ओबीसी वर्ग से पालिकाध्यक्ष बनने की संभावना ने भाजपा के भीतर सियासी हलचल बढ़ा दी है। कई ओबीसी चेहरे सक्रिय हो गए हैं और अध्यक्ष पद की दौड़ में अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे हैं। वार्डों में जनसंपर्क से लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं तक संपर्क साधने का दौर शुरू हो चुका है। भाजपा के संभावित दावेदार अपने राजनीतिक प्रभाव, सामाजिक समीकरण और वार्ड स्तर पर पकड़ के आधार पर खुद को मजबूत साबित करने में लगे हैं। यानी टिकट की लड़ाई सिर्फ वार्ड पार्षद बनने तक सीमित नहीं है, बल्कि कई चेहरों की नजर सीधे पालिकाध्यक्ष की कुर्सी पर है।

विकास मंच ने भी खोल दिया मोर्चा

भाजपा के सामने स्थानीय विकास मंच ने भी मजबूती से मोर्चा खोल दिया है। पूर्व संसदीय सचिव कन्हैया लाल झंवर और निवर्तमान पालिकाध्यक्ष नारायण झंवर लगातार वार्डों में सक्रिय हैं। विकास मंच द्वारा वार्डवार बैठकें आयोजित की जा रही हैं और संभावित प्रत्याशियों के नामों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कई वार्डों में प्रत्याशियों की घोषणा भी शुरू हो चुकी है। विकास मंच की लगातार बढ़ती सक्रियता ने भाजपा की चुनावी रणनीति को भी चुनौती दे दी है। अब दोनों खेमों की नजर एक-दूसरे के मजबूत वार्डों और प्रभावशाली चेहरों पर है।

नारायण-संतोष बनाम निर्मल-जयश्री की जोड़ी चर्चा में

इस चुनाव में दो पति-पत्नी की जोड़ियां भी राजनीतिक आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। विकास मंच से नारायण झंवर और संतोष झंवर, जबकि भाजपा से निर्मल भूरा और जयश्री भूरा अलग-अलग वार्डों से चुनाव लड़ने की तैयारी में बताए जा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि दोनों जोड़ियों के पति-पत्नी अलग-अलग वार्डों से चुनाव लड़ेंगे, इसलिए उनका सीधा मुकाबला एक-दूसरे से नहीं होगा। मगर दोनों परिवारों की राजनीतिक प्रतिष्ठा और प्रभाव जरूर चुनावी मैदान में परखा जाएगा। इन जोड़ियों को लेकर शहर के राजनीतिक गलियारों में अभी से चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

आरएलपी और निर्दलीय बिगाड़ेंगे गणित

चुनावी मैदान में आरएलपी और कई निर्दलीय प्रत्याशियों की मौजूदगी भी मुकाबले को आसान नहीं रहने देगी। खासकर उन वार्डों में जहां भाजपा और विकास मंच के बीच कांटे की टक्कर होगी, वहां मजबूत निर्दलीय प्रत्याशी या आरएलपी उम्मीदवार वोटों का गणित पूरी तरह बदल सकते हैं। नोखा की राजनीति में व्यक्तिगत संपर्क, परिवार और सामाजिक समीकरणों की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। ऐसे में कई वार्डों में पार्टी के बजाय चेहरा भारी पड़ सकता है।

प्रवासी नोखावासी बनेंगे गेम चेंजर ?

नोखा के हजारों परिवार देश के अलग-अलग हिस्सों में कारोबार और रोजगार से जुड़े हुए हैं। असम, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली सहित देश के अनेक राज्यों और महानगरों में नोखावासियों की बड़ी संख्या रहती है। निकाय चुनाव में इन प्रवासी मतदाताओं की भूमिका अहम मानी जा रही है। चुनाव के समय बड़ी संख्या में प्रवासी मतदाताओं के नोखा पहुंचने की स्थिति में कई वार्डों का चुनावी परिणाम प्रभावित हो सकता है। यही कारण है कि संभावित प्रत्याशियों ने स्थानीय मतदाताओं के साथ प्रवासी परिवारों से संपर्क साधने की रणनीति भी शुरू कर दी है।

अबकी बार मुकाबला कितना रोचक ?

नोखा नगरपालिका चुनाव की मौजूदा तस्वीर को देखें तो तीन बातें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण नजर आ रही हैं। पहली-ओबीसी अध्यक्ष पद की संभावित आरक्षण व्यवस्था। दूसरी-भाजपा और विकास मंच की तेज होती चुनावी सक्रियता। तीसरी-कांग्रेस की फिलहाल दिखाई दे रही राजनीतिक खामोशी। अगर कांग्रेस मैदान में नहीं उतरती है तो नोखा में निकाय चुनाव का राजनीतिक केंद्र पूरी तरह भाजपा और विकास मंच के बीच सिमट सकता है। वहीं आरएलपी और निर्दलीय प्रत्याशी कई वार्डों में इस मुकाबले को त्रिकोणीय या बहुकोणीय बना सकते हैं। अब असली तस्वीर आरक्षण की आधिकारिक घोषणा, टिकट वितरण और नामांकन के बाद सामने आएगी। लेकिन इतना तय है कि नोखा में पालिका की कुर्सी के लिए सियासी बिसात बिछ चुकी है। कांग्रेस की खामोशी के बीच भाजपा और विकास मंच आमने-सामने हैं। ओबीसी अध्यक्ष पद की दौड़ ने मुकाबले को और गरमा दिया है। अब देखना यह होगा कि चुनावी रण में किसका संगठन भारी पड़ता है और किसका चेहरा मतदाताओं का भरोसा जीतता है।

रक्षाबंधन की भीड़ में महिला का मंगलसूत्र चुराने वाली आरोपी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। रक्षाबंधन के मौके पर सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर महिला का सोने का मंगलसूत्र चोरी करने वाली आरोपी महिला को सिंधी कैंप थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया सोने का मंगलसूत्र भी बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने रक्षाबंधन के मौके पर सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर महिला का सोने का मंगलसूत्र चोरी करने वाली आरोपी महिला भतेरी निवासी पचेरी कलां जिला झुंझुनूं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में अन्य चोरी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है। इस कार्रवाई करने वाली टीम में सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला, एएसआई प्रहलाद सिंह, कांस्टेबल सतवीर, श्रवण कुमार, भागीरथ तथा महिला कांस्टेबल सुनीता और सरिता शामिल रहे। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल सतवीर की कार्रवाई में विशेष और सराहनीय भूमिका रही। सिंधी कैंप थानाधिकारी वंदना नरूला ने बताया कि ललिता मेहरा सिंधी कैंप बस स्टैंड पर यात्रा के लिए पहुंची थी। बस स्टैंड पर रक्षाबंधन के कारण काफी भीड़ थी। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी ने उनके गले से सोने का मंगलसूत्र चोरी कर लिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर सिंधी कैंप थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने आसूचना तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से संदिग्ध महिला की पहचान की और गिरफ्तार किया।

बलराम पूर्णिमा के साथ गुप्त वृंदावन धाम में हुआ जन्माष्टमी महोत्सवों का आगाज

56 भोग, महाअभिषेक और पालकी उत्सव में उमड़ी श्रद्धा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जगतपुरा स्थित गुप्त वृंदावन धाम में शुक्रवार को श्री बलराम पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इसके साथ ही धाम में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सवों की शुरुआत हो गई। बलराम पूर्णिमा के अवसर पर भगवान को 56 भोग की विशेष झांकी सजाई गई। संकीर्तन, पालकी उत्सव, महाअभिषेक और महाआरती के आयोजन हुए तथा श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। इससे पूर्व चल रही कृष्ण कथा का भी समापन हुआ। महोत्सव के दौरान धाम परिसर भक्ति संगीत और संकीर्तन से गूंजता रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान बलराम के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया। वहीं धाम में शनिवार से तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्निवल शुरू होगा, जो 29 से 31 अगस्त तक चलेगा। आयोजन का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को भारतीय संस्कृति एवं सनातन मूल्यों से जोड़ना है। कार्निवल में बच्चे राधा-कृष्ण और अभिभावक नंद-यशोदा सहित अन्य पौराणिक पात्रों की वेशभूषा में शामिल होंगे। भक्ति संगीत, कीर्तन, शास्त्रीय नृत्य और आमंत्रित कलाकारों की विशेष प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। गुप्त वृंदावन धाम के मीडिया प्रवक्ता सिद्ध स्वरूप दास ने बताया कि गुप्त वृंदावन धाम में 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का मुख्य महोत्सव आयोजित होगा। इसके लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए चार अलग-अलग कतारों की व्यवस्था की जा रही है। धाम प्रबंधन के अनुसार जन्माष्टमी पर लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। दिनभर विशेष अभिषेक, 108 भोग और संकीर्तन होंगे। मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का विशेष महाअभिषेक किया जाएगा। जन्माष्टमी के अगले दिन 5 सितंबर को नन्दोत्सव एवं श्रील प्रभुपाद व्यास पूजा महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशेष अभिषेक के साथ भगवान को 1008 भोग अर्पित किए जाएंगे। वहीं 6 सितंबर को भगवद्गीता की शिक्षाओं पर आधारित विशेष नि:शुल्क सेमिनार आयोजित किया जाएगा। गुप्त वृंदावन धाम के मीडिया प्रवक्ता सिद्ध स्वरूप दास ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

नगर निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने कसी कमर

विधानसभा प्रभारी ने दावेदारों से लिया फीडबैक

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। नगर निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी को मजबूत करने और अधिक से अधिक सीटों पर जीत हासिल करने के उद्देश्य से कांग्रेस के पार्षद पद के दावेदारों की विधायक निवास पर विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में लाडनूं विधानसभा प्रभारी कमल किशोर चौधरी, ऑल इंडिया यूथ कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ पंवार, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जयराम बुरड़क एवं पूर्व प्रधान हनुमान मल कासनियां ने सभी दावेदारों से व्यक्तिगत चर्चा कर उनके वार्ड की स्थिति और जनसमर्थन को लेकर फीडबैक लिया। दावेदारों से मिले फीडबैक के आधार पर प्रत्येक वार्ड के लिए मजबूत एवं संभावित जिताऊ उम्मीदवारों का पैनल तैयार किया गया। बैठक में चुनावी रणनीति और संगठन की मजबूती को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। विधानसभा प्रभारी कमल किशोर चौधरी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी पर विश्वास रखते हुए एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में उतरना है। वहीं आरिफ पंवार एवं जयराम बुरड़क ने कार्यकर्ताओं से पार्टी के प्रति निष्ठा बनाए रखते हुए पूरी मजबूती से चुनाव लड़ने का आह्वान किया।

राधा लिखी राखी से सजा गोविंद देवजी का दरबार, मोतियों के बंगले में दिए मनोहारी दर्शन

रक्षाबंधन पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा पर शुक्रवार को रक्षाबंधन का पर्व जयपुर के मंदिरों में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। शहरवासियों ने प्रथम पूज्य भगवान गणेश और आराध्य देव गोविंददेवजी के मंदिर पहुंचकर रक्षा सूत्र और राखियां अर्पित की। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, श्रृंगार और भोग के आयोजन हुए। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिरों में पहुंचती रही।

गोविंददेवजी को अर्पित हुई विशेष राखियां

शहर के आराध्य देव ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देवजी महाराज में रक्षाबंधन पर ठाकुर श्रीजी और राधारानी को विशेष राखियां अर्पित की गई। श्रृंगार झांकी में सबसे पहले फूल और मोतियों से तैयार राखी अर्पित की गई। इसके बाद रत्न जड़ित सुनहरी कलाबूत की राखी धारण कराई गई। ठाकुरजी को रक्षाबंधन के अवसर पर विशेष सुनहरी पारचे की पोशाक पहनाई गई। मंदिर के संपूर्ण दरबार को भी आकर्षक राखियों से सजाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने साथ राखियां और रक्षा सूत्र लेकर मंदिर पहुंचे। भक्तों ने भगवान को राखी अर्पित करने के लिए मंदिर परिसर में लगी रेलिंग पर ही रक्षा सूत्र बांधे। पूर्व राजपरिवार की ओर से भी ठाकुरजी के लिए राखी और प्रसाद भेजकर रक्षाबंधन की परंपरा का निर्वहन किया गया।

दूर्वा-रेशम की राखी में प्रकृति संरक्षण का संदेश

गोविंददेवजी मंदिर में ठाकुरजी को दूर्वा, फूल और रेशम से तैयार विशेष राखियां भी अर्पित की गई। इनमें राधा लिखी राखी विशेष आकर्षण रही। मोगरे की कलियों से बनी राखी, रेशम की डोर में सुपारी के साथ तैयार कलाबूत की राखी और दूर्वा से बनी राखी क्रमवार ठाकुरजी को धारण कराई गई। राधारानी सहित उनकी सखियों और महाप्रभुजी शालिग्रामजी के विग्रहों को भी राखियां अर्पित की गई। दूर्वा और फूलों से तैयार राखियों के जरिए रक्षाबंधन को प्रकृति संरक्षण के संदेश से जोड़ा गया।

सायंकाल मोतियों के बंगले में सजे ठाकुरजी

सायंकाल की ग्वाल झांकी में ठाकुर श्रीजी के लिए दुर्लभ मोतियों का भव्य बंगला सजाया गया। ठाकुरजी को मोतियों से निर्मित पोशाक और मोती-अलंकारों से सजाया गया तथा मोती-जरी से सुसज्जित विशेष मुकुट धारण कराया गया। यह विशेष श्रृंगार श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। रक्षाबंधन पर सुबह मंगला झांकी के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके बाद पूर्णिमा की विशेष सुनहरी लप्पा जामा पोशाक, बड़ा मुकुट, विशेष अलंकार और छड़ी धारण कराई गई। श्रृंगार आरती के बाद चौगुनी लड्डू, कचौरी और मीठी मठरी का विशेष भोग लगाया गया।

मोती डूंगरी गणेशजी को अर्पित की चांदी की राखी

रक्षाबंधन पर मोती डूंगरी गणेश मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। भक्तों ने प्रथम पूज्य भगवान गणेश को अपना रक्षक और आराध्य मानते हुए रक्षा सूत्र अर्पित किए। मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने भगवान गणेश के लिए विशेष चांदी की राखी तैयार कर अर्पित की। इसके साथ सुपारी का फूल भी भगवान को समर्पित किया गया। भगवान गणेश को लहरिया साफा और जरी-गोटे के काम से तैयार विशेष पोशाक धारण कराई गई।

मंदिरों में दिनभर रही भक्तों की भीड़

रक्षाबंधन के अवसर पर जयपुर के विभिन्न मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन हुए। भक्तों ने अपने आराध्य को राखियां और रक्षा सूत्र अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और सुरक्षा की कामना की। मंदिरों में विशेष श्रृंगार, भोग और आरती के दौरान भक्ति का माहौल बना रहा। गोविंददेवजी मंदिर में राखियों से सजा दरबार, ठाकुरजी का सुनहरी पोशाक में श्रृंगार और मोतियों का बंगला आकर्षण का केंद्र रहा, वहीं मोती डूंगरी गणेश मंदिर में चांदी की राखी और लहरिया पोशाक में सजे गणेशजी के दर्शन के लिए श्रद्धालु उमड़ते रहे।

राखी बांधने बहनें पहुंचीं शहीद स्मारकों तक

आंखों में आंसू और दिल में भाई की शहादत का गर्व

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। रक्षाबंधन पर शुक्रवार को जिले में भाई-बहन के प्रेम के कई रंग देखने को मिले। कहीं बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी तो कहीं भाइयों ने बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। लेकिन झुंझुनूं में कुछ बहनों का रक्षाबंधन उन भाइयों के नाम रहा, जो देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए। ये बहनें राखी, रोली, मिठाई और फूल लेकर शहीद स्मारकों पर पहुंचीं। सामने भाई की प्रतिमा थी और हाथ में वही रक्षा सूत्र, जो कभी भाई की कलाई पर बांधा करती थीं। प्रतिमा के सामने पहुंचते ही बहनों ने पहले शहीद भाई को नमन किया।

किसी ने तिलक लगाया, किसी ने माला पहनाई और फिर कांपते हाथों से प्रतिमा की कलाई पर राखी बांधी। कुछ बहनों की आंखों से आंसू छलक पड़े तो कुछ ने नम आंखों से भाई की शहादत को याद किया। वहां मौजूद परिजन और ग्रामीण भी इस भावुक पल के साक्षी बने। माहौल में एक ओर भाई को खोने का दर्द था तो दूसरी ओर इस बात का गर्व भी कि उनके अपने ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। झुंझुनूं को सैनिकों की धरती कहा जाता है। जिले के गांव-गांव में सेना में सेवा देने और देश के लिए शहादत देने वाले परिवार हैं। यही वजह है कि यहां रक्षाबंधन सिर्फ भाई की कलाई पर राखी बांधने का त्योहार नहीं, बल्कि उन वीरों को याद करने का दिन भी बन जाता है, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अणगासर से मानोता जाटान, गोठड़ा, सूरजगढ़ से लेकर ढाणी बाढ़ान तक शुक्रवार को ऐसे ही दृश्य देखने को मिले, जहां बहनों ने शहीद भाइयों की प्रतिमाओं की कलाई पर राखी बांधकर वर्षों पुरानी याद और रिश्ते को फिर से जीवंत कर दिया।

अणगासर : भाई की प्रतिमा पर तिलक लगाया, फिर बांधी राखी

अणगासर गांव में शहीद दिलीप कुमार थाकन की बहन सुनीता रक्षाबंधन पर शहीद स्मारक पहुंचीं। उन्होंने भाई की प्रतिमा पर तिलक लगाया और माला पहनाई। इसके बाद प्रतिमा की कलाई पर राखी बांधी। शहीद की भांजियों भारती और ममता ने भी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। दिलीप कुमार थाकन सेना में भर्ती होने के करीब डेढ़ साल बाद कारगिल युद्ध के दौरान पुंछ जिले में आतंकियों से मुकाबला करते हुए शहीद हुए थे। उनकी शहादत के बाद से परिवार हर रक्षाबंधन पर स्मारक स्थल पहुंचकर उन्हें राखी बांधता है।

सूरजगढ़ : नम आंखों से शहीद भाई की प्रतिमा पर बहनों ने बांधी राखी

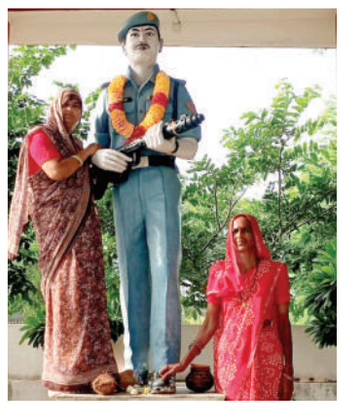

वीर शहीद राजकुमार कुमावत की बहनों मीरा, इंद्रावती, मुन्नी और मीना ने उनकी प्रतिमा पर राखी बांधकर भाई को याद किया। चारों बहनों ने प्रतिमा पर तिलक लगाया और पुष्प अर्पित कर नमन किया। भाई की प्रतिमा की कलाई पर राखी बांधते समय चारों बहनों की आंखें नम हो गईं और माहौल भावुक हो गया। बहनों ने कहा कि देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले अपने वीर भाई पर उन्हें गर्व है, लेकिन उनके साथ बिताए पल याद आते हैं तो आंखें नम हो जाती हैं। उन्होंने बताया कि जब राजकुमार रक्षाबंधन पर घर नहीं आ पाते थे तो पत्र लिखकर ड्यूटी पर ही राखी मंगवाते थे। आज भाई प्रतिमा के रूप में उनके बीच मौजूद हैं और हर साल रक्षाबंधन पर वे उनकी कलाई पर राखी बांधकर अपना स्नेह जताती हैं।

गोठड़ा : तीन बहनों ने शहीद भाई की प्रतिमा पर बांधी राखी

खेतड़ी के गोठड़ा गांव में रक्षाबंधन पर शहीद धर्मपाल सैनी की तीन बहनें चंपा, सुमन और अनीता स्मारक स्थल पहुंचीं। तीनों ने शहीद की प्रतिमा को नमन किया और राखी बांधी। इस दौरान बहनों की आंखें नम हो गईं। बहनों ने कहा कि उनका भाई देश की सेवा करते हुए शहीद हुआ, लेकिन वह आज भी उनके दिलों में जिंदा है। उनकी यादों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। बहनों ने बताया कि वे हर वर्ष रक्षाबंधन पर शहीद की प्रतिमा पर पहुंचकर भाई के प्रति अपना स्नेह और सम्मान व्यक्त करती हैं।

ढाणी बाढ़ान : 80 साल की बहन हर साल चूरू से आती हैं, भाई की प्रतिमा पर बांधती हैं राखी

जसरापुर क्षेत्र के ढाणी बाढ़ान गांव में रक्षाबंधन पर 80 साल की शांति कंवर भाई को राखी बांधने पहुंचीं। शांति कंवर अमर शहीद लांस नायक फूलसिंह शेखावत की बहन हैं और हर साल रक्षाबंधन पर चूरू से ढाणी बाढ़ान आती हैं। उन्होंने शहीद भाई की प्रतिमा पर तिलक लगाया, मुंह मीठा करवाया और नारियल व पुष्प अर्पित किए। इसके बाद प्रतिमा की कलाई पर राखी बांधी। उम्र के इस पड़ाव पर भी भाई के प्रति उनका स्नेह और रक्षाबंधन की परंपरा कायम है।

मानोता जाटान : प्रतिमा की कलाई पर राखी बांधते ही नम हो गई आंखें

मानोता जाटान गांव में रक्षाबंधन पर भावुक दृश्य देखने को मिला। शहीद सुमेर सिंह पायल की बहन मिश्री देवी अपने वीरगति प्राप्त भाई के स्मारक पर पहुंचीं। उन्होंने शहीद की प्रतिमा को तिलक लगाया और कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। भाई की प्रतिमा के सामने खड़ी मिश्री देवी की आंखें नम हो गईं। यह दृश्य भाई-बहन के अटूट रिश्ते और देश के लिए सुमेर सिंह पायल के बलिदान की याद दिला रहा था।

रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवसत्न)। रतनगढ़ में ओमशांति प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की शाखा रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। केंद्र संचालिका बीके सुप्रभा ने राखी का आध्यात्मिक रहस्य समझाते हुए कहा यह राखी सिर्फ धागों का त्यौहार नहीं है, इसे विष तोड़क पर्व भी कहते हैं। केंद्र संचालिका बी के सुप्रभा बहन ने सभी को इस राखी के पर्व पर सात्विक जीवन जिने बह पवित्र रहने का संकल्प कराया। बीके कृष्णा ने सभी को आत्म स्मृति का तिलक लगाया, बी के सुप्रभा ने उपस्थित सभी को परमात्मा स्मृति राखी बांधी। सभा में शहर के कई गण मान्या व्यक्तियों ने भाग लिया। एडवोकेट टेकचंद कटारिया, ऐडवोकेट राम अवतार ठठेरा, पदमाराम डूखिया समाजसेवी सुरेश मुरारका, कृष्ण कटारिया, दीपिका प्रजापत, विजयलक्ष्मी शर्मा, बाबूलाल सैनी आदि उपस्थित रहे। तत्पश्चात उप-काराग्रह में कैदियों को भी राखी बांधी वह व्यसन मुक्त रहने व आगे अपराध न करने के लिए संकल्प कराया। उप.काराग्रह प्रभारी विजेंद्र सिँह, सुबोध कुमार, सोहन लालए संगीता व स्टाफ को भी राखी बाँधी। उपकाराग्रह प्रभारी विजेंद्र सिंह ने ब्रह्मा कुमारीज का आभार व्यक्त किया। परिहारा रिड़कोर टोल नाका के सभी सदस्यों को भी राखी बांधी और राखी का आध्यात्मिक रहस्य भी बताया।

रक्षाबंधन पर बाजारों में रौनक

शहीद भाई की प्रतिमा पर बहन ने बांधी राखी तो छलक उठीं आंखें

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर शुक्रवार को शहर के बाजारों में दिनभर चहल-पहल रही। राखियों और मिठाइयों की दुकानों पर खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। बाजार रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों से सजे नजर आए। बहनों ने भाइयों के लिए पसंद की राखियां और मिठाइयां खरीदीं। मिठाई की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने से कारोबारियों में उत्साह नजर आया। इधर रक्षाबंधन पर हांसपुर की ढाणी बिंजावाली में भाई बहन के प्रेम औरदेशभक्ति का भावुक दृश्य सामने आया। अमर शहीद महेश निठारवाल की बहन मंजू ने शहीद भाई की प्रतिमा पर राखी बांधी। राखी बांधते समय बहन की आंखें छलक उठीं। प्रतिमा के सामने राखी बांधकर उन्होंने शहीद भाई को याद किया और उनके प्रति अपना स्नेह व सम्मान जताया। मौके पर मौजूद ग्रामीण भी भावुक हो गए। महेश निठारवाल भारतीय सेना की 6-राज रिफ बटालियन में तैनात थे। करीब साढ़े सात साल पहले 18 अक्टूबर को द्रास सेक्टर में भूस्खलन की चपेट में आने से वे शहीद हो गए थे। रक्षाबंधन पर बहन मंजू ने भाई की प्रतिमा की कलाई पर राखी बांधकर वर्षों पुरानी परंपरा और भाई-बहन के अटूट रिश्ते को निभाया। वहीं शहर और गांवों में घर-घर रक्षाबंधन उत्साह से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि और लंबी उम्र की कामना की। भाइयों ने बहनों को उपहार देकर हमेशा साथ निभाने का संकल्प लिया। एक ओर बाजारों में त्योहार की खुशियां दिखाई दी, तो दूसरी ओर शहीद की प्रतिमा पर राखी बांधती बहन का दृश्य हर किसी को भावुक कर गया। इसी प्रकार शहर के सुशील कुमार कुमावत मंगल कॉलोनी निवासी ने अपनी बहन से राखी बंधवाकर उपहार स्वरूप दिया।

कुशलपुरा की ममता ढाका ने हासिल की पीएचडी की उपाधि

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। ग्राम कुशलपुरा की प्रतिभाशाली बहू एवं लाडनूं तहसील निवासी ममता ढाका पत्नी शिवपाल सिंह ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ममता ढाका को विश्वविद्यालय द्वारा ए नोवल एप्रोच फॉर फेडरेटेड इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ केयर सिस्टम मॉडल ओवर ग्रीन क्लाउड विषय पर किए गए शोध कार्य के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने अपना शोध कार्य डॉ डीपी शर्मा के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। इसका उद्देश्य संवेदनशील रोगी संबंधी जानकारी को एक ही केंद्रीय स्थान पर एकत्र करने की आवश्यकता को कम करना तथा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को संबोधित करना है। ममता ढाका ने अपने शोध कार्य के दौरान विषय की गहनता से अध्ययन करते हुए लगातार मेहनत, लगन और समर्पण के साथ शोध को पूरा किया। उनकी इस उपलब्धि ने यह साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर प्रयास और कठिन परिश्रम के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। ममता के ससुर जोधाराम एडवोकेट ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी पुत्रवधू शुरू से ही होनहार और मेहनती रही हैं। उन्होंने निरंतर मेहनत और कठिन परिश्रम के दम पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जो पूरे परिवार के लिए गर्व का विषय है।

विद्या सम्बल योजना के स्थान पर स्थायी शिक्षक भर्ती की मांग

सपना शर्मा

सीकर (नवयत्न)। विद्या सम्बल योजना के तहत विद्यालयों में अस्थायी रूप से गेस्ट फैकल्टी लगाए जाने की योजना को निरस्त करने की मांग को लेकर बाजोर फाउंडेशन, सीकर ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर स्थायी शिक्षक भर्ती विज्ञापन जारी करने की मांग की है। बाजोर फाउंडेशन की संरक्षकचंपा बाजोर ने कहा कि राज्य के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में यदि स्थायी पद स्वीकृत हैं और उनकी आवश्यकता लगातार बनी हुई है, तो उन्हें अस्थायी व्यवस्था से नहीं बल्कि नियमित भर्ती के माध्यम से भरा जाना चाहिए। रिक्त स्थायी पदों के स्थान पर लगातार अस्थायी व्यवस्था को बढ़ावा देना विद्यार्थियों, अभ्यर्थियों, शिक्षकों तथा संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था के

दीर्घकालीन हित में उचित नहीं है। चम्पा बाजोर ने विधा संभल योजना लाखों विद्यार्थियों के हितों पर कुठाराघात बताया और कहा कि राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था को गेस्ट फैकल्टी मॉडल नहीं, बल्कि नियमित, पारदर्शी, जवाबदेह और स्थायी शिक्षक भर्ती व्यवस्था की आवश्यकता है। बाजोर फाउंडेशन के संस्थापक मोहन बाजोर ने बताया कि ज्ञापन में लिखा कि राजस्थान के लाखों

युवा वर्षों से शिक्षक एवं व्याख्याता भर्ती की तैयारी कर रहे हैं वे प्रतियोगी परीक्षाओं तथा अन्य निर्धारित योग्यताएँ हासिल करने के बाद सरकारी सेवा में चयन की उम्मीद रखते हैं। मोहन बाजोर ने लिखा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21, 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का संवैधानिक आधार प्रदान करता है। शिक्षा केवल कक्षा में शिक्षक की उपस्थिति का नाम नहीं है। शिक्षा में निरंतरता, जवाबदेही, संस्थागत अनुभव, अकादमिक योजना, विद्यार्थियों के साथ दीर्घकालीन संबंध, मूल्यांकन और मार्गदर्शन भी आवश्यक हैं। मोहन बाजोर ने कहा कि बार-बार बदलने वाली अस्थायी व्यवस्था से विद्यार्थियों की पढ़ाई की निरंतरता प्रभावित होती है, विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की स्थिरता कम होती है, शैक्षणिक योजना प्रभावित होती है, परीक्षा परिणाम एवं विद्यार्थियों की तैयारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। शिक्षक की स्थायी आवश्यकता को अस्थायी व्यवस्था से पूरा करना शिक्षा के दीर्घकालीन हित में उचित नहीं माना जा सकता। बाजोर फाउण्डेशन ने राजस्थान के युवाओं को स्थायी रोजगार हेतु रिक्त पदों पर तत्काल विज्ञापन जारी कर समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है।

शाकिर हत्याकांड : जंगल में छिपे दो मुख्य आरोपी को पुलिस ने घेरकर दबोचा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने शाकिर देशवाली हत्याकांड में फरार चल रहे दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या के बाद फरार हुए रफीक शाह उर्फ बकरी चोर और मोहम्मद हारून उर्फ भूरिया को पापड़ हनुमानजी मंदिर के पीछे जंगल से पकड़ा। पुलिस टीम ने रात में जंगल को घेरकर सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस को देखकर भागने के दौरान दोनों आरोपी गहरी खाई में गिरकर घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को कांवटिया अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों की मौका परेड भी करवाई। इस दौरान दोनों आरोपी लंगड़ाकर चलते नजर आए। थानाधिकारी सज्जन सिंह ने बताया कि कय्यूम का कुछ दिन पहले पानी की टंकी, शास्त्री नगर में रफीक उर्फ बकरी चोर से कहासुनी को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद को सुलझाने के लिए 24 अगस्त को कय्यूम को समझौते के बहाने बुलाया गया था। मौके पर रफीक के साले ने कय्यूम से गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर कय्यूम ने अपने भाई शाकिर को मौके पर बुला लिया। शाकिर के पहुंचते ही रफीक उर्फ बकरी चोर ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। वहीं मोहम्मद हारून ने कय्यूम पर भी चाकू से वार कर उसे घायल कर दिया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल शाकिर को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस हत्याकांड की जांच में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद ली। पुलिस ने 25 अगस्त को मोहम्मद फरीद उर्फ फदु चाचा, शाह रुख और दिलशाद उर्फ ढिल्लू को गिरफ्तार किया था। जांच में रफीक और हारून की वारदात में अहम भूमिका सामने आने के बाद दोनों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम को सूचना मिली कि दोनों आरोपी पापड़ हनुमानजी मंदिर के आसपास जंगल में छिपे हुए हैं।

संस्कृत सभी भाषाओं की जननी, संस्कार एवं चरित्र निर्माण का आधार : शर्मा

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय, कुलडा का टीबा, अरनिया में संस्कृत दिवस समारोह 2026 हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। भारतीय संस्कृति, ज्ञान और आध्यात्मिक परंपरा का मूल आधार संस्कृत भाषा रही है। हमारे प्रमुख पुराण, वेद, उपनिषद, धार्मिक ग्रंथ, रामायण, महाभारत एवं श्रीमद्भगवद्गीता जैसे महान ग्रंथ संस्कृत भाषा में रचे गए है। संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मानव जीवन में संस्कार एवं चरित्र निर्माण का माध्यम है। संस्कृत के आदर्श वाक्य मनुष्य में सत्य, धर्म, सदाचार, अनुशासन एवं स्वाध्याय की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सत्यं वद, धर्मं चर, स्वाध्यायान्मा प्रमद: तथा अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविन: जैसे संस्कृत श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा कि ये जीवन में श्रेष्ठ संस्कार एवं आदर्श चरित्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं। संस्कृत भाषा में विश्व बंधुत्व, मानवता और समरसता की भावना निहित है। संस्कृत के प्रचार-प्रसार से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, संस्कार और जीवन-मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। भामाशाह धर्मवीर सैनी, व्यवस्थापक एएन शिक्षा शास्त्री महाविद्यालय सीकर ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सभी संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार प्रसार के लिए सामूहिक प्रयास करें और आने वाली पीढ़ी को संस्कृत की समृद्ध विरासत से परिचित कराए। इस अवसर पर अध्यापक श्रवण कुमार सैनी, रामानंद शर्मा, मनीषा यादव और विद्यार्थियों द्वारा पेड़ों के रक्षासूत्र बांधकर संरक्षण का संकल्प लिया। अध्यापक, श्रवण कुमार सैनी ने बताया कि धर्मवीर सैनी के द्वारा सभी बच्चों को विद्यालय बैग वितरण किया जाएगा। विद्यालय परिवार ने भामाशाह आभार प्रकट किया।

जयपुर-जिले की 19 निकायों में 39 उम्मीदवारों ने भरे पर्चे

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकायों (नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका) में चुनाव लड़ने के लिए अब उम्मीदवारों के पास आवेदन के लिए केवल 2 दिन का समय बचा है। उम्मीदवार 29 और 31 अगस्त को नामांकन पत्र भर सकेंगे। वहीं आवेदन के पहले दिन 27 अगस्त को जयपुर समेत सभी जिलों की 309 निकायों में 889 उम्मीदवारों ने 1055 से ज्यादा नामांकन पत्र दाखिल किए। इनमें कई ऐसे उम्मीदवार थे, जिन्होंने बीजेपी, कांग्रेस की तरफ से अपनी दावेदारी जताई। हालांकि दोनों ही पार्टियों ने अब तक अपने-अपने उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की है। संभावना है कि दोनों पार्टियां की ओर से 29 अगस्त से सूची जारी होने का दौर शुरू होगा। राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा नगरीय निकाय है। यहां 1 नगर निगम, 2 नगर परिषद और 16 नगर पालिकाएं हैं।

एक किलोमीटर की परिधि में कोई घर नहीं, फिर भी स्कूल में नामांकन 195

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ढाणी ढिंकला, बाघसरा आथुणा जो कि सुजानगढ़ शहर से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस विद्यालय के एक किलोमीटर की परिधि में कोई ढाणी या घर नहीं है। इस विद्यालय में छात्रों की पढ़ाई का स्तर और भौतिक संशाधन इतने हैं कि इस विद्यालय में 2 से 4 किमी की दूरी से लगभग 60-70 ढाणियों के बच्चे पैदल ही विद्यालय में आते हैं। इस विद्यालय के सभी बच्चों को बैठने के लिए फर्नीचर उपलब्ध है और सभी कमरें, विद्यालय परिसर अच्छी शिक्षण सामग्री से सुसज्जित हैं। छात्रों को स्मार्ट बोर्ड से पढ़ाया जाता है। पढ़ाई का स्तर भी बहुत अच्छा दूसरी कक्षा के अधिकांश बच्चों को हिन्दी कि किताब पढ़ना आता है, 15 से 20 तक पहाड़ें आते है, अंग्रेजी में स्पेलिंग आती है। सभी कक्षाओं में पढ़ाई का स्तर अच्छा पाया गया। संस्था प्रधान जगदीश प्रसाद कोठारी की अथक मेहनत और प्रयासों की बदौलत स्कूल में सभी संशाधन उपलब्ध हैं और नामांकन भी 195 का है। संस्था प्रधान की प्रेरणा से विद्यालय में भामाशाहों की सहायता से लाखों रूपये का कार्य करवाया गया है।ग्रामीणों और भामाशाहों के सहयोग से विद्यालय का भौतिक विकास हुआ, विद्यालय स्टाफ की मेहनत से पढ़ाई का स्तर अच्छा होने से अभिभावकों का विश्वास बना। इस कारण विद्यालय में 3 से 4 किमी दूर से भी बच्चे पढ़ने आते हैं। एसीबीईओ धर्मसिंह मीना ने बताया कि विद्यालय सम्बलन के लिए विद्यालय आया तो पहले तो विद्यालय भवन की सुन्दरता और सभी संशाधनों को देखकर अच्छा लगा और जब बच्चों से पढ़ाई के बारे में बात की और दूसरी कक्षा के बहुत से बच्चे अच्छे से हिन्दी की किताब पढ़ रहे थे, स्पेलिंग और पहाड़े सुनाये तो मन बहुत प्रसन्न हुआ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190